मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 13 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 67 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028



4 ▶▶ छठः लोक आस्था और सामाजिक समरसता का महापर्व

ऋतिक रोशन ने शेयर किया भावुक नोट ◀◀ 6

कुएं में मिला युवती का शव, मां ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप,पति समेत चार पर प्राथमिकी



मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवती का शव कुएं में मिलने के बाद उसकी मां ने ससुराल वालों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मां का दावा है कि बेटी की हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को कुएं में फेंक दिया गया। इस मामले में जगन्नाथपुर थाने में पति समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

फोन पर मिली बेटी की मौत की सूचनाः दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता मुन्नी कच्छप, पति एतवा कच्छप, नगड़ा टोली, लालपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि 11 नवंबर 2026 की शाम करीब पांच बजे उन्हें फोन के माध्यम से सूचना मिली कि उनकी बेटी श्रुति कच्छप कुएं में गिर गई है और उसकी मौत हो गई है। सूचना मिलने के बाद परिजन घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे।

मृतका की मां ने आरोप लगाया है कि जब उन्होंने अपनी बेटी का शव देखा तो उसकी नाक से खून और झाग निकल रहा था। शव की स्थिति देखकर उन्हें संदेह हुआ कि बेटी की मौत कुएं में गिरने से नहीं, बल्कि उसकी हत्या करने के बाद शव को कुएं में फेंकने से हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही गेट पर कर्मियों ने युवती को मृत घोषित कर दिया था।

पहले भी पति और ससुराल वालों से होता था विवादः मृतका की मां ने आवेदन में बताया है कि उनकी बेटी का पति और ससुराल के अन्य सदस्यों के साथ पहले भी कई बार विवाद और झगड़ा हुआ था। इसी वजह से उन्हें बेटी की मौत को लेकर ससुराल वालों पर संदेह है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेटी की निर्मम हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को कुएं में फेंक दिया गया।

पति समेत चार लोगों को बनाया आरोपीः मृतका की मां ने अपनी शिकायत में चार लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें कृष्णा लोहरा, रामजी लोहरा, सुमित्रा देवी और करिश्मा कुमारी शामिल हैं। प्राथमिकी के अनुसार, कृष्णा लोहरा, रामजी लोहरा का पुत्र है, जबकि सुमित्रा देवी उनकी पत्नी और करिश्मा कुमारी उनकी पुत्री बताई गई हैं। आरोपियों का पता रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के हेथू स्थित गढ़ा टोली का बताया गया है।

तीन धाराओं में प्राथमिकी, एसआई को जांच की जिम्मेदारीः इस मामले में जगन्नाथपुर थाने में 12 नवंबर 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 103(1), 238 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच की जिम्मेदारी एसआई अशोक प्रसाद को सौंपी गई है।

एनएच-98 पर टैंकर की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत

मेदिनीनगरः पलामू जिले में एनएच-98 पर गुरुवार की शाम सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। हादसा नावा बाजार के इटको गांव स्थित रिशू होटल के समीप शाम करीब 7:15 बजे हुआ। मृतक की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के कव्वल गांव निवासी सोनू कुमार मिश्रा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सोनू कुमार मिश्रा अपनी पैशन प्रो बाइक से मेदिनीनगर से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान इटको गांव के पास एनएच-98 पर उसकी बाइक एक टैंकर की चपेट में आ गयी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटनास्थल पर मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की गयी।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजय कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेज दिया।

नहाय-खाय पर मुख्यमंत्री हेमंत और कल्पना सोरेन ने दी छठव्रतियों को शुभकामनाएं

संवाददाता

रांचीः लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ के प्रथम अनुष्ठान नहाय-खाय के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य के सभी छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। दोनों ने भगवान भास्कर और छठी मइया से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को नहाय-खाय की बधाई दी। उन्होंने



कामना की कि भगवान भास्कर और छठी मइया की कृपा सभी पर बनी रहे तथा यह महापर्व हर किसी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आये। मुख्यमंत्री ने सभी को जोहार भी कहा।

वहीं, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने भी राज्यवासियों को छठ की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान भास्कर और छठी मइया से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कल्पना सोरेन ने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था, प्रकृति प्रेम और सूर्य उपासना का अद्भुत पर्व है। यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान, स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का संदेश देता है।

बैटरी के कचरे के निर्यात पर भारत की रोक, चीन के लिए बढ़ेगी चुनौती

नई दिल्लीः महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और घरेलू रिसाइक्लिंग उद्योग को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने लिथियम-आयन बैटरी के कचरे यानी 'ब्लैक मास' के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 10 नवंबर को इस संबंध में आदेश जारी किया। पहले इसके निर्यात की अनुमति थी, लेकिन अब इसे प्रतिबंधित श्रेणी में डाल दिया गया है। ब्लैक मास पुरानी और खराब लिथियम-आयन बैटरियों को प्रोसेस करने के बाद प्राप्त होने वाला काला पाउडर है। इसमें लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, मैंगनीज और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिज मौजूद होते हैं। वैज्ञानिक तरीके से रिसाइक्लिंग करने पर इन खनिजों को दोबारा प्राप्त कर नई बैटरियों के निर्माण में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कारण इसे बैटरी उद्योग के लिए बेहद मूल्यवान संसाधन माना जाता है। इस फैसले का एक बड़ा पहलू चीन से जुड़ा है। वैश्विक बैटरी रिसाइक्लिंग उद्योग में चीन की मजबूत पकड़ है। वह विभिन्न देशों से बैटरी का कचरा खरीदकर उससे उपयोगी खनिज निकालता है और फिर उनसे तैयार बैटरी सामग्री दुनिया के बाजारों में बेचता है। भारत से भी ब्लैक मास का निर्यात होता रहा है। निर्यात पर रोक लगने से अब इस कच्चे माल को देश के भीतर ही रिसाइक्लिंग और प्रसंस्करण के लिए इस्तेमाल करने का अवसर मिलेगा। इससे घरेलू उद्योग को बढ़ावा मिलने, महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता बढ़ने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। सरकार का यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी निर्माण क्षेत्र में भारत की रणनीतिक क्षमता मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रसिद्ध नागपुरी गायक बसीर अंसारी का निधन संगीत जगत में शोक की लहर



रांचीः लोहरदगा जिले के हीरही निवासी प्रसिद्ध नागपुरी गायक बसीर अंसारी का निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, उन्हें अचानक हार्ट अटैक आया। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

58 वर्षीय बसीर अंसारी के निधन की खबर से नागपुरी संगीत जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन से क्षेत्र ने एक प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया है। उनके जाने से नागपुरी संगीत जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

झारखंड कैबिनेट की बैठक 18 नवंबर को कई अहम प्रस्तावों पर हो सकती है चर्चा



रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रिपरिषद की बैठक 18 नवंबर को होगी। बैठक दोपहर तीन बजे झारखंड मंत्रालय स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद कक्ष में आयोजित की जायेगी। बैठक में कई अहम फैसले लिये जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने इस संबंध में सूचना जारी कर दी है। बैठक में सभी कैबिनेट मंत्री और विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी शामिल होंगे।

राहुल गांधी का फोन टैपिंग का आरोप, पीएम मोदी को फिर दी आमने-सामने बहस की चुनौती



नई दिल्ली : कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उनका फोन टैप कराया जा रहा है। शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर आयोजित ह्यआस्क मीह्न सेशन के दौरान राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को आमने-सामने सार्वजनिक बहस (वन-ऑन-वन डिबेट) की खुली चुनौती दी। उन्होंने दावा किया कि यदि प्रधानमंत्री उनके साथ सीधी बहस के लिए बैठते हैं, तो इसके बाद वे अपने पद पर नहीं रह पाएंगे।

मेरे फोन में सभी आरोपों के सबूत, अडानी या मोहन भागवत को जज बनाने पर भी आपत्ति नहीं : इंस्टाग्राम सेशन के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि उनके सभी दावों और आरोपों के पुख्ता सबूत उनके मोबाइल फोन में मौजूद हैं और प्रधानमंत्री के इशारे पर उनका फोन टैप कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमने-सामने की बहस से यह पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है और कौन कब से देशविरोधी गतिविधियों में संलिप्त है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि वे लंबे-चौड़े भाषणों वाली पारंपरिक बहस के बजाय सीधी बातचीत चाहते हैं, जिसमें प्रधानमंत्री एक तरफ और वे दूसरी तरफ बैठकर एक-दूसरे से सीधे सवाल-जवाब करें और आरोपों का जवाब दें। बहस की निष्पक्षता के सवाल पर उन्होंने यहां तक कहा कि यदि इस बहस के लिए उद्योगपति गौतम अडानी या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को भी निर्णायक बनाया जाता है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

लोकसभा में माइक बंद करने का लगाया आरोप, भाजपा ने किया पलटवारः सेशन के दौरान जब राहुल गांधी से पूछा गया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस के लिए तैयार है, तो वे बाहर सार्वजनिक बहस पर क्यों जोर दे रहे हैं, तो उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में उन्हें बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों, वोट चोरी, एसआईआर, चीन सीमा विवाद, जनरल नरवणे की किताब और एपस्टीन जैसे गंभीर मुद्दों पर उन्हें सदन में अपनी बात रखने से रोका गया। दूसरी ओर, भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी की इस चुनौती को सिरे से खारिज करते हुए उन पर ही संसद की कार्यवाही और गंभीर बहस से बचने का आरोप लगाया है। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि लोकतंत्र में बहस के लिए संसद सबसे बड़ा और पहले से उपलब्ध मंच है। ऐसे में राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद की गरिमा के अनुरूप गंभीरता और जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए।

तुपुदाना में पेड़ से लटका मिला महिला का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

रांची। राजधानी रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र के सहेदा में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। महिला के परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, इस घटना ने इसलिए भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि कुछ दिन पहले इसी घर के एक युवक का शव भी आंगन में पेड़ से लटका हुआ मिला था। अब महिला का शव मिलने से क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं।

वैश्विक संकट के बीच किसानों को बड़ी राहत

डीजल की संभावित 50 रुपये की बढ़ोतरी में से 43 रुपये का बोझ सरकार ने उठाया

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित इंडिया टुडे ग्रुप के 'किसान तक भारत एग्रीकल्चर कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक संकट के बावजूद सरकार ने किसानों और आम लोगों को महंगाई के प्रभाव से बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। इससे भारत में डीजल की कीमतों में 50 रुपये प्रति लीटर तक की संभावित बढ़ोतरी हो सकती थी, लेकिन सरकार ने इसमें से 43 रुपये का बोझ स्वयं उठाया और आम लोगों पर केवल



7 रुपये प्रति लीटर का अतिरिक्त भार पड़ने दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का पूरा बोझ किसानों और उपभोक्ताओं पर डालने से बचाना है। इसके लिए सरकार हर महीने करीब 14 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय भार उठा रही थी। उन्होंने बताया कि जहां पड़ोसी देशों में डीजल की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, वहीं भारत में कीमतों को काफी हद तक नियंत्रित रखा गया। मोदी ने उर्वरकों पर दी जा रही सब्सिडी का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5,000 रुपये कीमत वाला डीएपी का बैग भारतीय किसानों को 1,300 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तरह, लगभग 3,000 रुपये कीमत वाला यूरिया का बैग 300 रुपये से भी कम में मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेती की लागत कम रखना और किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पांच आपराधिक मामलों के आधार पर रोहित सिंह की निरोधात्मक हिरासत बरकरार,हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने जमशेदपुर के रोहित सिंह को राहत देने से इनकार करते हुए अपराध नियंत्रण कानून के तहत उसकी निरोधात्मक हिरासत के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि रोहित सिंह के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत गंभीर अपराधों के पांच मामले दर्ज हैं। उपलब्ध सामग्री के आधार पर प्रशासन ने उसे आदतन अपराधी मानते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने के लिए हिरासत में रखने का निर्णय लिया था। अदालत ने इस कार्रवाई में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अखिल कुमार की खंडपीठ ने चार नवंबर 2026 को यह फैसला सुनाया। रोहित सिंह ने झारखंड कंट्रोल ऑफ क्राइम्स एक्ट, 2002 की धारा 12 के तहत पांच मई 2026 को जारी निरोधात्मक हिरासत के आदेश के साथ हिरासत की अवधि बढ़ाने और राज्य सरकार की ओर से इसकी पुष्टि करने वाले आदेशों को चुनौती दी थी।

हत्या, अपहरण और एनडीपीएस एक्ट के पांच मामलों का हवालाः पुलिस की अनुशंसा पर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त ने पांच मई 2026 को रोहित सिंह को तीन महीने के लिए निरोधात्मक हिरासत में रखने का आदेश दिया था। पुलिस की रिपोर्ट में उसके खिलाफ दर्ज पांच मामलों का उल्लेख किया गया था।

इनमें मानगो थाना कांड संख्या 124/2018 में हत्या, आपराधिक साजिश और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। वहीं, मानगो थाना कांड संख्या 185/2022 में हत्या के प्रयास और अपहरण समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था। इसके अलावा वर्ष 2024, 2025 और 2026 के तीन मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गयी थी।

राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि रोहित सिंह के खिलाफ चार सनहा भी दर्ज हैं। पुलिस का दावा था कि जमानत पर रिहा होने के बाद भी वह कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा और उसकी गतिविधियों से इलाके में भय का माहौल बन रहा था।

जमानत मिलने से निरोधात्मक हिरासत का आदेश रद्द नहीं होगाः रोहित सिंह की ओर से दलील दी गयी थी कि जिन मामलों के आधार पर हिरासत का आदेश जारी किया गया, उनमें उसे नियमित और अग्रिम जमानत मिल चुकी है। सभी मामले विचाराधीन हैं। ऐसे में सामान्य आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती थी और निरोधात्मक हिरासत की आवश्यकता नहीं थी।

इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि जमानत मिलने मात्र से निरोधात्मक हिरासत का आदेश प्रभावित नहीं होता। अदालत ने माना कि हिरासत का निर्णय लेते समय संबंधित प्राधिकारी ने उसके खिलाफ दर्ज मामलों, कथित आपराधिक गतिविधियों की प्रकृति और सार्वजनिक व्यवस्था पर उनके संभावित प्रभाव को ध्यान में रखा था। प्रतिनिधित्व नहीं भेजने के आरोप को नहीं मिला आधारः याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि जेल प्रशासन ने उसे निरोधात्मक हिरासत के खिलाफ राज्य सरकार को प्रतिनिधित्व देने के अधिकार की जानकारी नहीं दी। उसने यह भी दावा किया था कि प्रतिनिधित्व भेजने की कोशिश करने पर जेल अधिकारियों ने उसे आगे भेजने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट ने इस आरोप को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता अपने आरोप के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका। निराधार आरोपों के आधार पर जेल अधिकारियों की दुर्भावना साबित नहीं की जा सकती।



रेलवे का बड़ा फैसला

रांची में रविवार और राष्ट्रीय अवकाश पर भी रात 8 बजे तक होगी टिकट बुकिंग



संवाददाता

रांचीः यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल ने आरक्षण कार्यालय के संचालन समय में विस्तार करने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था के तहत अब रविवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में भी रांची आरक्षण कार्यालय का एक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटर रात आठ बजे तक खुला रहेगा। इससे छुट्टी के दिनों में भी यात्रियों को देर शाम तक रेलवे टिकट आरक्षित कराने की सुविधा मिलेगी।

15 नवंबर से तीन महीने तक लागू रहेगी नई व्यवस्थाः दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल की ओर से यह सुविधा प्रायोगिक आधार पर शुरू की जा रही है। नई व्यवस्था 15 नवंबर 2026 से लागू होगी और तीन महीने तक प्रभावी रहेगी।

इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को टिकट आरक्षण के लिए अतिरिक्त समय उपलब्ध कराना और छुट्टी के दिनों में होने वाली परेशानी को कम करना है। रेलवे की इस पहल से यात्रियों को आरक्षण की सुविधा पहले से अधिक सुलभ होगी।

पहले दोपहर दो बजे तक ही खुलते थे काउंटरः वर्तमान व्यवस्था के तहत रविवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में रांची आरक्षण कार्यालय के सभी पीआरएस काउंटर दोपहर दो बजे तक ही संचालित होते थे। इसके कारण छुट्टी के दिनों में टिकट बुक कराने के लिए यात्रियों के पास सीमित समय उपलब्ध रहता था।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद एक पीआरएस काउंटर का संचालन समय छह घंटे बढ़ जाएगा। अब यात्री रविवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में भी रात आठ बजे तक टिकट आरक्षित करा सकेंगे।

इससे खासकर उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जिन्हें कार्यदिवसों में व्यस्तता के कारण रेलवे आरक्षण काउंटर तक पहुंचने का समय नहीं मिल पाता है।

झारखंड हाईकोर्ट का अहम फैसला

पहली पत्नी के बेटे को मिलेगी अनुकंपा नौकरी दूसरी पत्नी के बच्चों को देना होगा भरण-पोषण

संवाददाता

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने दिवंगत सरकारी कर्मचारी की दो पत्नियों और उनके बच्चों के बीच चल रहे अनुकंपा नियुक्ति विवाद में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने पहली पत्नी अनीता देवी के बेटे आलोक कुमार को हाईकोर्ट में चपरासी के पद पर अनुकंपा के आधार पर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। साथ ही शर्त रखी है कि आलोक कुमार को दूसरी पत्नी के दोनों बच्चों के भरण-पोषण के लिए हर महीने आर्थिक सहायता देनी होगी।

मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने यह आदेश दिया है।

दूसरी पत्नी के दोनों बच्चों को हर महीने मिलेंगे तीन-तीन हजार रुपये

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अनुकंपा नियुक्ति



पाने वाले आलोक कुमार को दूसरी पत्नी बसंती लकड़ा के बेटे अमन आनंद और बेटी अंजलि आनंद को हर महीने तीन-तीन हजार रुपये देने होंगे।

अदालत के अनुसार, अमन आनंद को यह आर्थिक सहायता तब तक मिलेगी, जब तक उन्हें नियमित नौकरी नहीं मिल जाती। वहीं, अंजलि आनंद को नियमित नौकरी मिलने या पुनर्विवाह होने तक हर महीने यह राशि दी जाएगी।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि आलोक कुमार निर्धारित समय पर बच्चों को आर्थिक सहायता नहीं देते हैं, तो उनके मासिक वेतन से तीन-तीन हजार रुपये की कटौती की जाएगी। यह राशि सीधे संबंधित बच्चों को दी जाएगी।

कर्मचारी की मौत के बाद शुरू हुआ था विवादः यह मामला झारखंड हाईकोर्ट में स्टाफ कार चालक के पद पर कार्यरत अरविंद कुमार त्रिपाठी की मौत के बाद सामने आया था। अरविंद कुमार त्रिपाठी का 21 जनवरी 2020 को सेवाकाल के दौरान निधन हो गया था।

उनकी मौत के बाद पहली पत्नी अनीता देवी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने बेटे आलोक कुमार को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने और पति की मृत्यु के बाद मिलने वाले सभी सेवा लाभों का भुगतान करने की मांग की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से 2 नवंबर को शपथ पत्र दाखिल किया गया। इसमें अनुकंपा नियुक्ति समिति की सिफारिश और परिवार के आश्रितों के बीच सेवा लाभों के बंटवारे से संबंधित जानकारी दी गई थी।

अनुकंपा नियुक्ति समिति ने आलोक को माना योग्यः शपथ पत्र के अनुसार, अनुकंपा नियुक्ति समिति ने 17 सितंबर को हुई बैठक में मामले पर विचार किया था। समिति ने परिवार के सभी आश्रितों के बीच सेवा लाभों के आवंटन की योजना तैयार की थी।

परिवार के सदस्यों से बातचीत और दस्तावेजों की जांच के बाद समिति ने आलोक कुमार को चपरासी के रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए योग्य पाया था। हालांकि, समिति ने यह शर्त भी रखी थी कि आलोक कुमार परिवार के अन्य आश्रितों की देखभाल करने का शपथ पत्र दें।

सुनवाई के दौरान पहली पत्नी अनीता देवी और उनके बेटे आलोक कुमार ने इस शर्त को स्वीकार कर लिया। इसके बाद हाईकोर्ट ने समिति की व्यवस्था को मंजूरी देते हुए आलोक कुमार की अनुकंपा नियुक्ति का रास्ता साफ कर दिया।

कुस्सू और एजाज की जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत, शानदार तालमेल से पलटा खेल



रांचीः मॉर्निंग ग्रुप रांची के तत्वावधान में जीएल चर्च कॉम्प्लेक्स में आयोजित पांचवें मौलाना आजाद बैडमिंटन टूर्नामेंट में लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में खेले गए एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में कुस्सू और एजाज की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

शुरूआत से ही मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों जोड़ियों के बीच बढ़त बनाने के लिए लगातार संघर्ष देखने को मिला। कभी एक जोड़ी हावी होती तो कभी दूसरी शानदार वापसी कर मुकाबले को और दिलचस्प बना देती। कोर्ट पर तेज स्मैश, सटीक ड्रॉप शॉट और बेहतरीन रक्षात्मक खेल का नजारा देखने को मिला। प्रत्येक अंक के लिए खिलाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

मुकाबले के दौरान कुस्सू और एजाज ने बेहतरीन तालमेल, धैर्य और खेल कौशल का परिचय दिया। दबाव के क्षणों में भी दोनों खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास बनाए रखा और विपक्षी जोड़ी के हर वार का मजबूती से जवाब दिया। निर्णायक क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए उन्होंने मुकाबले का रुख अपनी ओर मोड़ लिया।

अंततः कुस्सू और एजाज की जोड़ी ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत हासिल कर अपनी प्रतिभा और दमखम का परिचय दिया। उनके शानदार प्रदर्शन पर कोर्ट में मौजूद दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के बीच खेल भावना, प्रतिस्पर्धा और रोमांच का माहौल बना हुआ है। लगातार हो रहे दिलचस्प मुकाबलों से आयोजन का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है।

झारखंड में स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के 306 पदों पर भर्ती, आवेदन की तारीख बढ़ी, अब 15 नवंबर तक मौका

संवाददाता

रांचीः झारखंड में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़कर नौकरी पाने की तैयारी कर रहे मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए राहत की खबर है। झारखंड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सोसाइटी ने स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर भर्ती 2026 के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 15 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई थी।

इस भर्ती अभियान के तहत कुल 306 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इनमें 200 नॉन-टीचिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर



और 106 एनएचएम स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के पद शामिल हैं। चयनित उम्मीदवारों को अधिकतम तीन लाख रुपये तक मासिक वेतन मिलेगा। हालांकि, यह नियुक्ति संविदा के आधार पर की जाएगी।

दो श्रेणियों में भरे जाएंगे 306 पदः झारखंड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन सोसाइटी की ओर से जारी भर्ती के तहत स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के कुल 306 रिक्त पद भरे जाएंगे। इनमें नॉन-टीचिंग स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के 200 और एनएचएम स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के 106 पद शामिल हैं।

आवेदन की तारीख बढ़ाए जाने से उन अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय मिल गया है, जो पहले निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन नहीं कर पाए थे।

एमबीबीएस के साथ पीजी डिग्री या डिप्लोमा जरूरीः आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस की डिग्री होना अनिवार्य है। इसके साथ संबंधित विशेषज्ञता में पीजी डिग्री या डिप्लोमा भी होना चाहिए। अभ्यर्थियों के पास वैध मेडिकल काउंसिल रजिस्ट्रेशन होना भी जरूरी है। निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और अन्य मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवार ही आवेदन कर सकेंगे।

23 से 64 वर्ष तक के अभ्यर्थी कर सकते हैं आवेदनः इस भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा 23 वर्ष और अधिकतम आयु सीमा 64 वर्ष निर्धारित की गई है। योग्य उम्मीदवार अब 15 नवंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार वेतन दिया जाएगा।

खूंटी खेल महोत्सव का भव्य शुभारंभ, आठ खेल विधाओं में प्रतिभा दिखाएंगे खिलाड़ी



खूंटीः झारखंड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को स्थानीय बिरसा मुंडा हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में तीन दिवसीय जिला स्तरीय खूंटी खेल महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि उपायुक्त मो. जावेद हुसैन, विशिष्ट अतिथि उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश एवं अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर और आसमान में गुब्बारे छोड़कर महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने कहा कि खूंटी जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराने की। उन्होंने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है।

उपायुक्त ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील की। डीडीसी और एसडीओ ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन की सफलता की शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व जिला खेल पदाधिकारी राजेश चौधरी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने आकर्षक नागपुरी गीत प्रस्तुत किया। वहीं, स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक मुंडारी गीत और नृत्य के माध्यम से जनजातीय लोककला की झलक पेश की।

12 से 14 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में विद्यालय एवं प्रखंड स्तर से चयनित खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम और बिरसा मुंडा हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिताओं में एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, खो-खो, कबड्डी और बैडमिंटन सहित कुल आठ खेल विधाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

विचाराधीन कैदी से अप्राकृतिक यौनाचार के मामले में जेल पहुंची जांच टीम, 14 लोग नामजद

रांचीः बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में विचाराधीन कैदी के साथ कथित अप्राकृतिक यौनाचार के मामले में जेल आईजी सुदर्शन मंडल के निर्देश पर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। गुरुवार को जांच अधिकारियों की टीम जेल पहुंची। टीम का नेतृत्व निदेशक ज्ञान शंकर जायसवाल कर रहे हैं। इसमें प्रोबेशन अधिकारी चंद्रमौली सिंह सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में खेलगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि जेल में बंद आपराधिक गिरोह के सदस्यों ने एक विचाराधीन कैदी के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया। आरोप के अनुसार, घटना को अंजाम देने से पहले कैदी को नशीला पदार्थ पिलाया गया था।

प्राथमिकी के मुताबिक, जनवरी 2026 से 12 जून 2026 के बीच कैदी के साथ तीन बार इस तरह की घटना हुई। मामले में कुल 14 लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। इनमें जेल अधिकारियों के साथ-साथ कथित घटना में शामिल आपराधिक गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं।

बिरसा मुंडा की जयंती पर भाजपा की तीन दिवसीय पदयात्रा आज से, उलिहातू से रांची तक निकलेगी यात्रा

13 से 15 नवंबर तक चलेगा कार्यक्रम, बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और चंपाई सोरेन समेत कई वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

संवाददाता

खूंटीः धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से 13 नवंबर से तीन दिवसीय पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा की शुरूआत सुबह 10 बजे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू से होगी। यह यात्रा खूंटी होते हुए 15 नवंबर को रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल तक पहुंचेगी।

पदयात्रा को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर से देशभर में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव दिवस के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

तीन दिनों का कार्यक्रम

- 13 नवंबर (पहला दिन): सुबह 10 बजे उलिहातू से पदयात्रा शुरू होगी। रास्ते में सोयको में चाय-नाश्ते के लिए ठहराव होगा। इसके बाद यात्रा खूंटी पहुंचेगी, जहां कार्यकर्ताओं का रात्रि विश्राम होगा।

- 14 नवंबर (दूसरा दिन): सुबह 9:30 बजे पदयात्रा खूंटी से कालामाटी होते हुए रांची के लिए रवाना होगी। कालामाटी में रांची जिले के कार्यकर्ता यात्रा का स्वागत करेंगे।

- 15 नवंबर (तीसरा दिन): भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर पदयात्रा रांची के कोकर स्थित उनके समाधि स्थल पहुंचेगी, जहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने बताया कि पदयात्रा की शुरूआत में पांच से सात सौ कार्यकर्ता नियमित रूप से शामिल रहेंगे। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोग और कार्यकर्ता भी यात्रा से जुड़ते जाएंगे। इसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री



बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और चंपाई सोरेन समेत प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि देश की आजादी और समाज को शोषण से मुक्त कराने के लिए भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, तेलंगा खड़िया और बुधू भगत जैसे वीर सपूतों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इन महापुरुषों को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उनके योगदान को देशभर में पहचान दिलाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की गई। वर्ष 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उलिहातू पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने खूंटी की धरती से करीब 9,700 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया तथा जनजातीय समाज के लिए पीएम जनमन योजना की शुरूआत की।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में अलग जनजातीय मंत्रालय का गठन हुआ और वर्तमान केंद्र सरकार में देश को द्रौपदी मुर्मू के रूप में पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिलीं।

नीलकंठ सिंह मुंडा ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अपने लंबे शासनकाल में जनजातीय नायकों की उपेक्षा करने वाले राजनीतिक दल अब संविधान, आरक्षण और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संविधान और आरक्षण में कोई बदलाव नहीं कर रही है तथा जनजातीय हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष के परिणामस्वरूप छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट) और संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट) जैसे कानून अस्तित्व में आए, जो आज भी झारखंड में आदिवासियों की जमीन और अधिकारों की रक्षा कर रहे हैं। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो और मीडिया प्रभारी रूपेश जायसवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

नहाय-खाय के साथ आज से छठ महापर्व शुरू

15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

मेट्रो रेज



रांची: लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर से नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया है। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर पूरे झारखंड में भक्तिमय माहौल है। घरों से लेकर छठ घाटों तक तैयारियां तेज हो गई हैं। व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियम-निष्ठा के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना में जुटे हैं। यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्वच्छता, प्रकृति और परिवार की सुख-समृद्धि का संदेश भी देता है।

नहाय-खाय से हुई महापर्व की शुरूआत: महापर्व के पहले दिन 13 नवंबर को नहाय-खाय की परंपरा निभाई जा रही है। इस दिन व्रती स्नान कर घर और रसोई की साफ-सफाई करते हैं। इसके बाद पूरी शुद्धता के साथ सात्विक भोजन तैयार किया जाता है। परंपरा के अनुसार कद्दू-भात और चने की दाल का विशेष महत्व है। भोजन ग्रहण करने के साथ ही व्रती कठिन छठ अनुष्ठान की शुरूआत करते हैं। घरों में छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजने लगते हैं।

खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का निर्जला व्रत: 14 नवंबर को छठ महापर्व का दूसरा दिन खरना होगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखेंगे और शाम को भगवान सूर्य की पूजा के बाद गुड़ की खीर, रोटी और फल का प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू होगा। इस दौरान व्रती अन्न और जल का त्याग कर छठी मैया की आराधना करेंगे।

15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य: 15 नवंबर को महापर्व के तीसरे दिन व्रती और श्रद्धालु विभिन्न छठ घाटों, तालाबों एवं नदियों के किनारे पहुंचेंगे। शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इस दौरान बांस के सूप और दउरा में ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना सहित अन्य पूजन सामग्री सजाकर भगवान सूर्य को अर्पित की जाएगी। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों के बीच श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

छठ महापर्व पर चडरी तालाब में सेवा अभियान

संरक्षक जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में व्रतियों के बीच कद्दू और गंगाजल का वितरण

मेट्रो रेज



रांची,: लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी रांची के प्रसिद्ध चडरी तालाब घाट पर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में खडू ग्रुप ऑफ कंपनीज एवं छठ पूजा समिति की ओर से 'छोटी सी कोशिश, सच्चे मन से सेवा' अभियान के तहत छठ व्रतियों के बीच कद्दू और गंगाजल का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो चुका है। नहाय-खाय के दिन कद्दू-भात के प्रसाद का विशेष महत्व होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए व्रतियों की सुविधा के लिए यह सेवा अभियान चलाया गया है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह उनकी छोटी सी कोशिश है, ताकि चढ़री तालाब पहुंचने वाले किसी भी व्रती को पूजा की तैयारियों में परेशानी न हो। स्थानीय लोगों के सहयोग से हर वर्ष इस तरह की सेवा की जाती है।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष सबलू मुंडा सहित अन्य सदस्य और स्वयंसेवकों ने भी व्रतियों के बीच सेवा कार्य में सहयोग किया। वहीं, चढ़री तालाब घाट पर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

हटानिया तालाब में छठ पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में उपायुक्त को सम्मानित कर किया आमंत्रित

मेट्रो रेज



रांची: लोक आस्था का महापर्व छठ 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। चार दिवसीय इस महापर्व को लेकर राजधानी रांची के हटानिया तालाब (नक्षत्र वन) में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति के तत्वावधान में इस वर्ष भी भव्य छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। समिति की ओर से घाट की साफ-सफाई, रंग-रोगन, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

छठ घाटों पर स्वच्छता और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में जिला प्रशासन, विशेषकर रांची के उपायुक्त का सराहनीय योगदान रहा है। प्रशासन की तत्परता और सहयोग से हटानिया तालाब घाट पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से भारतीय यूथ संगठन महा छठ पूजा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान समिति के सदस्यों ने उपायुक्त को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें हटानिया तालाब घाट पर आयोजित छठ महापर्व में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि उपायुक्त के मार्गदर्शन और जिला प्रशासन के सहयोग से घाट पर सुरक्षा बलों की तैनाती, मेडिकल कैंप, चेंजिंग रूम, गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जा रही है। इन व्यवस्थाओं से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी।

समिति ने रांची के सभी श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों से सपरिवार हटानिया तालाब (नक्षत्र वन) घाट पहुंचकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। साथ ही प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का आग्रह किया है।

इस अवसर पर समिति के प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से कुमुद रंजन दुबे, अभय तिवारी, राजेश कुमार साहू एवं आनंद कुमार शामिल थे।

झारखंड स्थापना दिवस का मुख्य समारोह अब 28 नवंबर को, 17 से 27 नवंबर तक जिलों में मनेगा पखवाड़ा

रांची: झारखंड के 25वें स्थापना दिवस का राज्यस्तरीय मुख्य समारोह अब 15 नवंबर के बजाय 28 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। राज्य सरकार के गठन के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर रांची में भव्य समारोह का आयोजन होगा। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है।

दरअसल, 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस और छठ महापर्व एक ही दिन पड़ने के कारण सरकार ने मुख्य समारोह की तिथि आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब 17 से 27 नवंबर तक राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में स्थापना दिवस पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की रूपरेखा संबंधित जिलों के वरीय अधिकारी तय करेंगे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, राँची पूर्व, राँची

अति अल्पकालिन निविदा सूचना –65/2026–27

1) विभाग का नाम :पेयजल एवं स्वचछता विभाग, झारखण्ड, रॉची ।
2) विज्ञापन दाता का नाम :कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल, रॉची पूर्व रॉची ।
3) परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय:20.11.2026 अपराह्न 5 बजे तक।
4) निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :21.11.2026 अपराहन 3:30 बजे तक।
5) निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 21.11.2026 अपराह्न 4 बजे।
6) परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : 1) कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय,पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉची पूर्व, रॉची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता, राँची अंचल, राँची।
7) निविदा प्राप्ति का स्थान :1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, राँची पूर्व, राँची।
8) कार्य विवरणी :

क्र0	कार्य का नाम	प्रा० राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण वि० का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation and Construction Work of Boundary wall of sub Division office Getalsud, Angara under D.W. & S. Division, Ranchi East, Ranchi, Ranchi for the year 2026-27.	1100232.00	22100.00	2500.00	30 Days
2	Special repair and renovation of section office, Toilet, Improvement of W/S sanitary fittings, Sewerage work, Painting and other misc. work at Vidhan sabha section situated at old vidhan sabha campus Ranchi Under D. W. & S. Division Ranchi East, Ranchi.	1273641.00	25500.00	2500.00	30 Days

आवश्यक शर्तों के लिए देखें www.jharkhand.gov.in
Email ID- eedwsd.ranchieast@gmail.com
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्व० प्र० रॉची पूर्व रॉची
PR 393709 (Drinking Water and Sanitation)26-27*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 15 वर्ष 2026–27

पत्रांक :– 925 गुमला, दिनांक :– 12/11/2026

1. विभाग का नाम :– जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग, झारखंड सरकार,राँची।
2. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र की विक्री की तिथि :– 21.11.2026 तक (01:00 बजे अपराह्न तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि एंव समय :– 23.11.2026 को (03:00 बजे अपराह्न तक)
5. निविदा खोलने की तिथि एंव समय :– 23.11.2026 को (03:30 बजे अपराह्न)
6. परिमाण विपत्र विक्री का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला। (2) सहायक अभियन्ता, लघु सिंचाई अनुमंडल, गुमला।
7. निविदा प्राप्ति एंव निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय परिसर, लघु सिंचाई प्रमंडल, गुमला।
8. परिमाण विपत्र का मूल्य :– राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत बैंक ड्राफ्ट जों राष्ट्रीयकृत बैंक, गुमला में भुगतेय हो, मान्य होगा।
9. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	योजना का नाम	प्रखंड	योजना मद का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	निविदादाता की समुचित श्रेणी
1	Construction of PCC Road Ashok Munda house to Charna Munda House at Vill-Holeng,Panchyat-Bishunpur,Block-Bishunpur	विशुनपुर	DMFT	23,85,400.00	47,708.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी–03
2	Construction of PCC Road Charna Munda House to Babu Ram Brijiya House at Vill-Holeng,Panchyat-Bishunpur,Block-Bishunpur	विशुनपुर	DMFT	23,85,400.00	47,708.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी–03
3	Construction of PCC Road Babu Ram Brijiya House to Ram Prasad Munda House at Vill-Holeng,Panchyat-Bishunpur,Block-Bishunpur	विशुनपुर	DMFT	23,85,400.00	47,708.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी–03
4	Construction of PCC Road From Ram Prasad Munda House to Lal Dev Brijiya House at Vill-Holeng,Panchyat-Bishunpur,Block-Bishunpur	विशुनपुर	DMFT	23,85,400.00	47,708.00	5,000.00	तीन माह	श्रेणी–03

निविदा की शर्तें :– 1. बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के स्वयं के खाता से निर्गत हुआ हो तथा बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता अवधि निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह तक का हो, मान्य होगा।
2. निविदा प्रपत्र बिक्री के समय संवेदक को निबंधन प्रमाण पत्र, आचरण प्रमाण पत्र एवं अद्यतन युकेन संलग्न करना अनिवार्य होगा ततपश्चात ही निविदा प्रपत्र निर्गत किया जाएगे।
3. निविदा में 10% न्युनतम दर से अधिक न्युनतम दर उद्धृत करने पर प्राक्कलित राशि का 20% अथवा 30% अतिरिक्त जमा राशि का डाकधर सावधी जमा पासबुक/बैंक द्वारा निर्गत फिक्स डिपोजिट निविदा के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
4. जो निम्न है:– 1. 10% से 20 प्रतिशत कम दर की राशि का 20% तक।
2. 20% प्रतिशत से अधिक कम दर की राशि का 30% अतिरिक्त जमानत राशि देय होगा।
10. निविदा से संबंधित सभी सूचना अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट पर देखा जा सकता है।
E-mail ID – eemidgum@gmail.com. कार्यपालक अभियंता,
PR 393765 Minor Irrigation(26-27).D लघु सिंचाई प्रमण्डल,गुमला

छठ पर घर लौटने की जद्दोजहद

स्लीपर और एसी कोच भी पैक शौचालय तक में यात्रियों का कब्जा



संवाददाता

रांची: छठ महापर्व पर घर जाने के लिए ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बिहार जानेवाली ट्रेनों में स्थिति यह है कि सामान्य श्रेणी के साथ-साथ स्लीपर और एसी कोच भी पूरी तरह भरे हुए हैं। यात्रियों को सीट तो दूर, खड़े होने तक की जगह नहीं मिल रही है। भीड़ के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रांची से बिहार जानेवाली संबलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में गुरुवार को यात्रियों की भारी भीड़ रही। मौर्य एक्सप्रेस के सामान्य श्रेणी के कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। कई यात्री ट्रेन के गेट और सीढ़ियों पर खड़े होकर सफर करने को मजबूर थे। वहीं, स्लीपर और एसी कोच भी पूरी तरह पैक थे। ट्रेन के कोच अटेंडेंट के अनुसार, यह भीड़ संबलपुर से ही लगातार बनी हुई है।

यात्री किसी तरह अपना सफर पूरा करने को मजबूर हैं। मौर्य एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे अमित ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले टिकट लिया था, लेकिन टिकट कंफर्म नहीं हो सका। ऐसे में परिवार के साथ उन्हें सामान्य श्रेणी के कोच में ही सफर करना पड़ रहा है। रांची-पटना जनशताब्दी सहित बिहार जानेवाली अन्य ट्रेनों में भी यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई।

महिलाएं और छोटे बच्चे सबसे ज्यादा परेशानः ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। सामान्य श्रेणी के कोच में हालात ऐसे थे कि यात्रियों को सांस लेने तक में दिक्कत हो रही थी। कई यात्री शौचालय के बाहर भी बैठकर सफर कर रहे थे। यात्रियों का कहना था कि छठ पर घर पहुंचना मजबूरी है, इसलिए परेशानियों के बावजूद किसी तरह यात्रा करनी पड़ रही है।

भीड़ नियंत्रित करने में जुटी आरपीएफः यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ के जवान लगातार तैनात हैं। आरपीएफ के सब-इंस्पेक्टर सूरज पांडेय ने बताया कि यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए उनसे कोच की जानकारी लेकर सीधे संबंधित कोच तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्य द्वार से प्रवेश करने के बाद कॉरिडोर के माध्यम से भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर 24 घंटे आरपीएफ के जवान तैनात हैं।

मैट्रिक-इंटर परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी के खिलाफ आजसू ने खोला मोर्चा, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मेट्रो रेज



रांची: झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की ओर से वर्ष 2026-27 में आयोजित होने वाली मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं के शुल्क में की गई बढ़ोतरी के विरोध में अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने आवाज उठाई है। शुक्रवार, 13 नवंबर को आजसू के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर परीक्षा शुल्क में की गई वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से आजसू ने कहा कि जैक की आधिकारिक वेबसाइट और विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी मिली है कि परिषद ने वर्ष 2026-27 की मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के शुल्क में वृद्धि की है। झारखंड में पहले से ही लाखों विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हैं। ऐसे में परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालेगी।

आजसू छात्र संघ ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से छात्रहित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा शुल्क में की गई वृद्धि को तत्काल वापस लेने तथा शुल्क को पूर्ववत रखने की मांग की है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, प्रदेश सचिव राजेश सिंह, अनुष्का सिन्हा, महानगर अध्यक्ष अमन साहू, महानगर उपाध्यक्ष यश सोनी, अभिजीत कुमार, रोशनी मुंडा, राज दुबे और अंकित कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग में निबंधित सभी समुचित श्रेणी के संवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–3450(अनु०) दिनांक 30.10.2026 पी०आर०संख्या–392900 Building(26-27):D द्वारा प्रकाशित ई–निविदा आमंत्रण सूचना निम्नवत पढ़ा जाय –

Sl. No.	Tender Reference No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	BCD/Div.No.-1, Ranchi/48/2026-27	Renovation of Mahila Ward No. 1 & 2 Mahila Cell at Birsa Munda Central Jail, Hotwar, Ranchi	9402000	45 Days
2	Start Date of Submission of Bids		18-11-2026 at 11.00 AM	
3	Last Date/Time of Submission of Bids		25-11-2026 at 11.00 AM	
4	Date/Time of Opening of Bid		26-11-2026 at 11.00 AM	

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–1, राँची
PR.NO.393693 Building(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारत को चाहिए दुनिया का बाजार

वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्व का रास्ता दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोलने से होकर गुजरता है। विदेशी पूंजी, आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ मानव संसाधन, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी, चिकित्सा पर्यटन और वैश्विक कारोबार को आकर्षित करने के लिए भारत की वीजा व्यवस्था का सरलीकरण जरूरी था। केंद्र सरकार ने 13 प्रमुख वीजा श्रेणियों को घटाकर नौ और 49 उपश्रेणियों को घटाकर 23 करके इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। वस्तुतः कहना चाहिए कि यह प्रशासनिक बदलाव भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प से सीधे जुड़ा है। क्योंकि दुनिया में आर्थिक महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाले किसी भी देश के लिए अपनी सीमाओं के भीतर सिमटे रहना पर्याप्त नहीं होता। उसकी असली शक्ति इस बात से तय होती है कि वह दुनिया की पूंजी, प्रतिभा, तकनीक, बाजार और व्यापार को अपनी ओर कितना आकर्षित कर सकता है। भारत आज इसी मोड़ पर खड़ा है। आज विशाल घरेलू बाजार, युवा आबादी, तेजी से विकसित होता डिजिटल ढांचा, औद्योगिक संभावनाएं और उद्यमशीलता की क्षमता उसकी बड़ी ताकत हैं। अब इन क्षमताओं को वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ना समय की मांग है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार का वीजा व्यवस्था में व्यापक बदलाव आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारतीय वीजा व्यवस्था को अधिक सरल और उद्देश्य आधारित बनाने के लिए आवेदन प्रपत्रों में पूछे जाने वाले विवरणों की संख्या भी 65 से 70 प्रतिशत तक कम की गई है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत आने की इच्छा रखने वाले विदेशी पर्यटकों, निवेशकों, विद्यार्थियों, चिकित्सकीय यात्रियों और व्यावसायिक विशेषज्ञों को आवेदन प्रक्रिया में कम औपचारिकताओं से गुजरना होगा। अक्टूबर 2025 में भी सरकार ने वीजा श्रेणियों को 22 से घटाकर 13 किया था। अब दूसरे चरण में इन्हें और व्यवस्थित किया गया है। वास्तव में यह भारत की आर्थिक सोच में आए उस परिवर्तन का संकेत है, जिसमें वैश्विक संपर्कों को विकास का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है।

आज निवेशक किसी देश में पूंजी लगाने से पहले वहां की नीतियों, प्रशासनिक प्रक्रियाओं, व्यावसायिक वातावरण और सरकारी सुविधाओं का आकलन करते हैं। यदि किसी निवेशक या तकनीकी विशेषज्ञ को भारत आने के लिए लंबी और अस्पष्ट प्रक्रियाओं से गुजरना पड़े तो उसका असर निवेश के फैसलों पर पड़ सकता है। ऐसे में वीजा व्यवस्था की सरलता सीधे आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करती है। सरकार ने बिजनेस वीजा को बी-1 और बी-2 दो प्रमुख श्रेणियों में व्यवस्थित किया है। बी-1 के अंतर्गत दीर्घकालीन कारोबारी गतिविधियां, औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपक्रमों की स्थापना और लाइसेंस आधारित व्यवसाय शामिल हैं। बी-2 में अल्पकालीन अनुबंध, सम्मेलन, खेल, फिल्म निर्माण, प्रदर्शन कला और तकनीकी कार्यों को स्थान दिया गया है। भारतीय कंपनियों द्वारा नियुक्त विदेशी इंजीनियरों, तकनीकी विशेषज्ञों और विषय विशेषज्ञों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। मशीनों की स्थापना, उत्पादन व्यवस्था, गुणवत्ता परीक्षण, रखरखाव, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और तकनीकी हस्तांतरण जैसे कार्यों के लिए विदेशी विशेषज्ञों की उपलब्धता सहज होगी। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में यह बदलाव खास महत्व रखता है। मेक इन इंडिया और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से सरकार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रही है। वैश्विक कंपनियां भारत में अपनी इकाइयां स्थापित करती हैं तो उनके साथ पूंजी, आधुनिक तकनीक, प्रबंधन कौशल और अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखलाओं से जुड़ने के अवसर भी आते हैं। इससे भारतीय उद्योगों को नई तकनीक अपनाने, उत्पादन की गुणवत्ता सुधारने और वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का अवसर मिलता है। वीजा सुधारों का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष पर्यटन है। टूरिस्ट वीजा का नाम बदलकर विजिटर वीजा किया गया है। नई वी-1 श्रेणी में 30 दिन की वैधता और बहु-प्रवेश की सुविधा के साथ कारोबारी बैठकें, चिकित्सकीय परामर्श, वेलनेस रिट्रीट और भारतीय भाषाओं, संगीत, कला एवं शिल्प के अल्पकालीन पाठ्यक्रम शामिल हैं। वी-2 वीजा पात्रता के अनुसार एक, पांच अथवा दस वर्ष के लिए जारी किया जा सकेगा। पर्वतारोहण के लिए छह महीने का बहु-प्रवेश वीजा भी प्रस्तावित व्यवस्था का हिस्सा है। भारत के पास धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन की व्यापक विरासत है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक परंपराएं दुनिया के लोगों को आकर्षित करती हैं। विदेशी पर्यटक आते हैं तो होटल, परिवहन, खानपान, हस्तशिल्प, स्थानीय कारोबार और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। पर्यटन का लाभ बड़े उद्योगों से लेकर छोटे दुकानदारों, स्थानीय कलाकारों और ग्रामीण उद्यमियों तक पहुंचता है। ऐसे में विजिटर वीजा का व्यापक स्वरूप भारत के पर्यटन बाजार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने में मददगार होता है। इसके अतिरिक्त चिकित्सा पर्यटन के लिए भी भारत के पास बड़ी संभावनाएं हैं। आधुनिक अस्पताल, प्रशिक्षित चिकित्सक, उन्नत उपचार सुविधाएं और अपेक्षाकृत कम खर्च विदेशी मरीजों को आकर्षित करते हैं। नई व्यवस्था में एम-1 वीजा सामान्य चिकित्सा उपचार तथा एम-3 वीजा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के लिए निर्धारित किया गया है। दोनों श्रेणियों में सामान्यतः एक वर्ष की वैधता और बहु-प्रवेश की सुविधा होगी। मरीजों के साथ आने वाले परिजनों और सहायकों के लिए एम-2 तथा एम-4 वीजा की अलग व्यवस्था है। इससे लंबे उपचार और बार-बार चिकित्सकीय परामर्श की आवश्यकता वाले मरीजों को सुविधा मिलेगी। हील इन इंडिया पहल को भी इससे गति मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था में शिक्षा और अनुसंधान को भी महत्व दिया गया है। स्टूडेंट वीजा को एस-1 और एस-2 श्रेणियों में विभाजित किया गया है। एस-1 में स्कूली शिक्षा, स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शामिल हैं। एस-2 में पीएचडी शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, अतिथि शिक्षकों, इंटर्नशिप और शैक्षणिक आदान-प्रदान को स्थान दिया गया है। स्टडी इन इंडिया पोर्टल के माध्यम से प्रवेश पाने वाले विदेशी विद्यार्थियों को पांच वर्ष तक अथवा पाठ्यक्रम की अवधि तक, जो भी कम हो, बहु-प्रवेश वाला ई-वीजा दिया जा सकेगा। भारत के विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों की भागीदारी से अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग का विस्तार होता है। विदेशी विद्यार्थी शिक्षा पूरी करने के बाद अपने देशों और भारत के बीच व्यापार, तकनीक तथा सांस्कृतिक संपर्कों के सेतु भी बन सकते हैं। यहां यह भी कहना है कि दुनिया की पूंजी, तकनीक और प्रतिभा को आकर्षित करने की क्षमता ही भविष्य की आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण आधार बनेगी। वीजा व्यवस्था में किया गया बदलाव इसी दिशा में उठाया गया कदम है। सच तो यही है कि यदि भारत को बड़ा बनना है तो उसे दुनिया के लिए अपने बाजार खोलने होंगे और वैश्विक बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ानी होगी। आर्थिक प्रगति का रास्ता अंतरराष्ट्रीय संपर्कों, सहयोग और अवसरों के विस्तार से होकर गुजरता है। इस दृष्टि से वीजा व्यवस्था में बदलाव कोई वैकल्पिक सुविधा भर न होकर भारत की वैश्विक आर्थिक भूमिका को व्यापक बनाने की अनिवार्य जरूरत थी, जिसे आज पूरा किया गया है।

छठः लोक आस्था और सामाजिक समरसता का महापर्व

सनातन परंपरा में सूर्य को पंचदेवों में से एक माना गया है, जो प्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव के साथ-साथ उनकी शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी, जिन्हें लोक भाषा में छठी मैया कहा जाता है, की आराधना की जाती है।

बद्रीनाथ वर्मा

आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि व्यक्ति चाहे जहां रहे लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति मन के कोने में अपनी माटी के प्रति श्रद्धा जीवित रहती है।

छठ पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की उस गहरी चेतना का प्रतीक है जो मनुष्य को प्रकृति, समाज और आत्मिक शुद्धता से जोड़ती है। छठ अपनी जड़ों की ओर लौटने का एक अपरिहार्य आमंत्रण है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक चलने वाला यह चार दिवसीय महापर्व लोक आस्था का सबसे अनुपम उदाहरण है। सूर्य उपासना के इस महापर्व का धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताना-बाना इतना सुदृढ़ और व्यापक है कि यह आधुनिकता के दौर में भी अपनी प्राचीन परंपराओं, पवित्रता और सादगी को अक्षुण्ण बनाए हुए है। इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी भी प्रकार के आडंबर, मूर्ति पूजा या पुरोहितवाद की आवश्यकता नहीं होती। यह सीधे तौर पर जीव और प्रकृति के प्रत्यक्ष देवता, सूर्य नारायण के बीच का संवाद है।

इस महापर्व का एक अत्यंत भावुक और मार्मिक पहलू प्रवास की वह पीड़ा है, जो रोजगार, शिक्षा और बेहतर भविष्य की तलाश में अपनी माटी से दूर गए लाखों लोगों के दिलों में कचोटती है। जैसे-जैसे कार्तिक का महीना नजदीक आता है, परदेस में बैठे हर व्यक्ति का मन अपने गांव के उन घाटों, मिट्टी के चूल्हों और ठेकुआ की महक के लिए व्याकुल हो उठता है। ट्रेनों में तिल रखने की जगह न होना, टिकटों के लिए महीनों पहले से होने वाली जद्दोजहद और घर पहुंचने की वह बेचैनी इस बात का प्रमाण है कि अपनी संस्कृति का खिंचाव कितना गहरा है। लेकिन जो लोग किन्हीं मजबूरियों, छुट्टियों की कमी या सात समंदर पार होने के कारण घर नहीं लौट पाते, उनके लिए यह समय गहरी टीस और एकाकीपन का होता है। परदेस की बंद चहारदीवारी या किसी अनजाने शहर की नदी के किनारे खड़े होकर जब वे अर्घ्य देते हैं तो उनकी आंखों में अपने गांव का वह दृश्य तैर जाता है जहां पूरा परिवार एक साथ जुटता था। लोक गीतों में भी इस प्रवास की पीड़ा को बखूबी पिरोया गया है, जहां एक मां परदेस गए अपने बेटे से छठ में घर आने की गुहार लगाती है। यह पर्व प्रवासी समाज को अपनी पहचान से जोड़े रखने का सबसे मजबूत पुल है, जो भौतिक रूप से दूर होने पर भी उन्हें मानसिक और आत्मिक रूप से अपनी मिट्टी से अलग नहीं होने देता।

सनातन परंपरा में सूर्य को पंचदेवों में से एक माना गया है, जो प्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण सृष्टि को ऊर्जा, प्रकाश और जीवन प्रदान करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव के साथ-साथ उनकी शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी, जिन्हें लोक भाषा में छठी मैया कहा जाता है, की आराधना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया ब्रह्मा जी की मानस पुत्री और देवसेना हैं जिन्हें प्रकृति के छठे अंश से उत्पन्न होने के कारण षष्ठी देवी कहा गया है। वे बच्चों की रक्षा करने वाली और दीर्घायु प्रदान करने वाली देवी हैं। धार्मिक कथाओं में इसका संबंध रामायण और महाभारत काल से भी जोड़ा जाता है। माना जाता है कि लंका विजय के बाद अयोध्या लौटने पर भगवान श्रीराम और माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की उपासना की थी। वहीं, महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण द्वारा नदी में खड़े होकर सूर्य की पूजा करने और द्रौपदी द्वारा पांडवों के खोए हुए राजपाट को वापस पाने के लिए यह व्रत रखने का उल्लेख मिलता है। वैज्ञानिक और धार्मिक दृष्टिकोण का यह संगम इस पर्व को अनुपम बनाता है, जहां ढलते हुए सूर्य और उगते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का आध्यात्मिक संदेश है कि जीवन में अवसान और उदय दोनों ही अपरिहार्य हैं और जो डूब रहा है उसका उदय होना भी निश्चित है।

लोक संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्ति छठ पर्व के दौरान गाए जाने वाले पारंपरिक लोक गीत इसके सांस्कृतिक महत्व को और अधिक समृद्ध करते हैं। कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए- जैसे कर्णप्रिय मधुर गीत उस सामूहिक श्रम, समर्पण और पवित्रता की कहानी कहते हैं जो इस व्रत का मूल आधार है। इन गीतों में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, परिवार की सुख-समृद्धि की कामना और पक्षियों व जीवों के प्रति करुणा का भाव झलकता है। छठ में उपयोग होने वाली सामग्रियां पूरी तरह से स्थानीय, प्राकृतिक और मिट्टी से जुड़ी होती हैं। बांस के सूप, दौरे, मिट्टी के चूल्हे, गन्ना, ठेकुआ का प्रसाद, नारियल, नींबू और तरह-तरह के स्थानीय मौसमी फल इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति किस प्रकार प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीने की प्रेरणा देती है। इस दौरान पूरा माहौल अनोखी सुवास से भर जाता है, जिसमें पवित्रता और सादगी की महक होती है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि बिना किसी तामझाम और दिखावे के भी ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना की जा सकती है।

सामाजिक समरसता और समाजवाद की जो तस्वीर छठ महापर्व में देखने को मिलती है, वह विश्व के किसी अन्य त्योहार में दुर्लभ है। यह पर्व जाति, वर्ग, अमीर और गरीब के बीच की सभी कृत्रिम दीवारों को पूरी तरह से ढहा देता है। घाट पर राजा और रंक एक साथ, एक ही मिट्टी पर बैठकर सूर्य देव की प्रार्थना करते हैं। जो सूप और दौरा एक संपन्न व्यक्ति के हाथ में होता है, वही सूप और दौरा एक निर्धन व्यक्ति के पास भी होता है। छठ पूजा के दौरान ऊंच-नीच का भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता। बांस का सूप बनाने वाले से लेकर, मिट्टी का चूल्हा बनाने वाले और फल बेचने वाले तक, समाज का हर हिस्सा इस महापर्व का एक अनिवार्य अंग बन जाता है। इसके अलावा, सामूहिक रूप से घाटों की सफाई करना, रास्तों को सजाना और अजनबियों की मदद करना इस पर्व के सामाजिक सरोकार को दशार्ता है। यह समाज में आपसी भाईचारे, सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को सुदृढ़ करता है।

इस महापर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और स्वच्छता की कठोर नियमावली है। छठ पूजा में आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ बाह्य पर्यावरण की स्वच्छता पर अत्यधिक बल दिया जाता है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु, जिन्हें व्रती कहा जाता है, चार दिनों तक अत्यंत कठिन नियमों का पालन करते हैं। नहाय-खाय से शुरू होकर, खरना, फिर डूबते सूर्य और उगते सूर्य को अर्घ्य देने तक की यह यात्रा आत्म-अनुशासन की पराकाष्ठा है। बिना जल ग्रहण किए लगातार निर्जला उपवास रखना मानसिक और शारीरिक दृढ़ता को दशार्ता है। दूसरी ओर, इस पर्व के आगमन के साथ ही नदियों, तालाबों और जलस्रोतों की सफाई का जो व्यापक अभियान जनभागीदारी से चलता है, वह आज के समय में पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा संदेश है। पानी को देवता मानकर उसकी शुद्धता बनाए रखना और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करना यह साबित करता है कि हमारे पूर्वज पर्यावरण संतुलन के महत्व को कितनी अच्छी तरह समझते थे। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में छठ महापर्व का महत्व भौगोलिक सीमाओं को लांघकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुका है। रोजगार और शिक्षा के सिलसिले में देश-विदेश के विभिन्न कोनों में रहने वाले लोग इस पर्व के दौरान अपने गृह राज्य की ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे यह पर्व पारिवारिक पुनर्मिलन और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक महामाध्यम बन गया है। आज न्यूयॉर्क के हडसन नदी के तट से लेकर लंदन और मॉरीशस के समंदर के किनारों तक छठ के पारंपरिक गीत गूंजते हैं और अर्घ्य दिया जाता है। यह इस बात का संकेत है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति यह अगाध श्रद्धा हर उस व्यक्ति के भीतर जीवित रहती है जो अपनी मिट्टी से जुड़ा हुआ है। आस्था का यह महापर्व चार दिवसीय अनुष्ठान से कहीं अधिक मानवीय मूल्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण चेतना और अटूट विश्वास की एक शाश्वत यात्रा है जो हर वर्ष मनुष्य को भीतर और बाहर दोनों से शुद्ध कर जाता है।

अफगान क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर फहराया भगवा ध्वज

महाराजा रणजीत सिंह के पिता महासिंह सुकरचकिया मिसल के सेनानायक थे। पश्चिमी पंजाब स्थित इस क्षेत्र का मुख्यालय गुजरांवाला था। बचपन में उन्हें चेचक हुई, जिसके कारण उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। पिता का सान्निध्य भी उन्हें अधिक समय तक नहीं मिल सका। रणजीत सिंह अभी 12 वर्ष के ही थे कि उनके पिता का निधन हो गया।

रमेश शर्मा

13 नवंबर 1780 : सनातन धर्म के रक्षक और खालसा साम्राज्य के संस्थापक महाराजा रणजीत सिंह का जन्म

महाराजा रणजीत सिंह ऐसे वीर सम्राट थे, जिन्होंने अफगान क्षेत्रों में विजय प्राप्त कर भगवा ध्वज फहराया और इतिहास प्रसिद्ध हमलावर अहमद शाह अब्दाली के वंशजों से सुप्रसिद्ध कोहिनूर हीरा वापस प्राप्त किया। ऐसे पराक्रमी, दूरदर्शी और अपना संपूर्ण जीवन भारत राष्ट्र एवं संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित करने वाले महाराजा रणजीत सिंह का जन्म 13 नवंबर 1780 को गुजरांवाला में हुआ था। वर्तमान में यह क्षेत्र पाकिस्तान में स्थित है।

वे अपने शौर्य, पराक्रम, सूझबूझ और रणनीतिक कौशल के लिए इतिहास में प्रसिद्ध हैं। वे सिख साम्राज्य के संस्थापक थे। उनका पूरा जीवन भारत राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उनके राज्य की सीमाएं अटक, पेशावर, काबुल और जमरूद तक फैली थीं। उन्होंने अपने शासनकाल में इन सभी क्षेत्रों में सनातन परंपराओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

उनके पिता सरदार महासिंह भी वीर योद्धा थे। महाराजा के मन में गुरु गोविंद सिंह के संकल्प और गुरु तेग बहादुर के बलिदान की स्मृतियां सदैव जीवंत रहीं। यही संस्कार उन्हें बचपन से मिले थे। उन दिनों पंजाब और कश्मीर के अधिकांश क्षेत्रों पर अफगानों का शासन था। कहीं-कहीं सिख सूबेदारों का प्रभाव था और कुछ स्थानों पर उनकी छोटी-छोटी रियासतें थीं।

महाराजा रणजीत सिंह के पिता महासिंह सुकरचकिया मिसल के सेनानायक थे। पश्चिमी पंजाब स्थित इस क्षेत्र का मुख्यालय गुजरांवाला था। बचपन में उन्हें चेचक हुई, जिसके कारण उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। पिता का सान्निध्य भी उन्हें अधिक समय तक नहीं मिल सका। रणजीत सिंह अभी 12 वर्ष के ही थे कि उनके पिता का निधन हो गया। उनकी देखभाल माता महताब कौर ने की। माता के संरक्षण और पिता के सहयोगियों के मार्गदर्शन में उन्होंने जीवन की समझ विकसित की और युद्धकला सीखी।

उन दिनों पूरे पंजाब के सामाजिक जीवन में एक विशेष प्रकार का तनाव व्याप्त था। मुगल सल्तनत भले ही अपने अंतिम दौर में थी, लेकिन उसके संरक्षण में पनपे कट्टरपंथी समूह सनातन समाज के मतांतरण का अभियान चला रहे थे। दूसरी ओर अंग्रेज भी अपने पैर जमाने के लिए प्रतिदिन नई कूटनीतिक चालें चल रहे थे। इसी वातावरण में रणजीत सिंह ने अपनी राजनीतिक और सैन्य यात्रा आगे बढ़ाई तथा युद्ध के मैदान में अपनी शक्ति का परिचय दिया।

वर्ष 1799 में उन्होंने लाहौर पर अपना ध्वज फहरा दिया और इसे अपने राज्य की राजधानी बनाया। वर्ष 1801 में उनका विधिवत राज्याभिषेक हुआ। इसके बाद उन्होंने अमृतसर की ओर कदम बढ़ाए। वर्ष 1805 में अमृतसर पर भी उनका अधिकार हो गया। उनकी वीरता और नीतिगत निर्णयों से व्यापक समाज प्रभावित हुआ। सिख योद्धाओं के साथ अन्य सनातन परंपरा से जुड़े योद्धा भी उनकी कमान में एकत्र होने लगे। इससे उनकी सैन्य शक्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कसूर, जम्मू, मुल्तान, कांगड़ा और शिमला सहित कश्मीर पर भी अपना प्रभाव स्थापित किया।

उन्हें जम्मू के डोगरा शासक गुलाब सिंह का भी भरपूर सहयोग मिला। उनके सेनानायक जोरावर सिंह के सहयोग से लद्दाख पर भी अधिकार स्थापित हुआ। इस प्रकार राज्य की सीमाओं का विस्तार होता गया। उन्होंने साम्राज्य के प्रत्येक प्रमुख स्थान पर किलेदार नियुक्त किए। इससे प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ हुई और समाज का मनोबल बढ़ा।

महाराजा रणजीत सिंह जानते थे कि अस्तित्व की रक्षा के लिए समृद्धि और राज्य विस्तार के साथ शौर्य एवं सैन्य शक्ति भी आवश्यक है। उन्होंने अपने साम्राज्य की सुरक्षा के लिए विशाल सेना तैयार की। इसमें 92 हजार पैदल सैनिक, 31 हजार घुड़सवार, 384 भारी और 400 हल्की तोपें थीं। उनकी दूरदर्शी रणनीति के चलते ही भारत की पश्चिमी सीमा पर सदियों से हो रहे आक्रमणों पर प्रभावी रोक लगी। महाराजा की सैन्य शक्ति को देखकर अंग्रेज भी हतप्रभ थे। उन्होंने कूटनीति का सहारा लिया और महाराजा के सामने मित्रता संधि का प्रस्ताव रखा। महाराजा ने इसे स्वीकार कर लिया और वर्ष 1809 में अंग्रेजों के साथ मित्रता संधि हुई। इसके अंतर्गत अंग्रेजों ने महाराजा की राज्य सीमा को स्वीकार किया और सतलुज नदी के पश्चिमी तट तक महाराजा के अधिकार क्षेत्र को मान्यता दी।

इस संधि के बाद महाराजा रणजीत सिंह ने अपनी सेना के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने यूरोपीय सैन्य अधिकारी बापिस्ते वेंचूरा को पैदल सेना तथा जीन फ्रांसिस अलार्ड को घुड़सवार सेना के प्रशिक्षण का दायित्व सौंपा। बंदूकों के निर्माण के लिए क्लाड आगरस्ट तथा बारूद एवं अन्य युद्धोपकरणों के लिए हंगरी के होनाइजर की सेवाएं लीं।

उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को खालसा पंथ की परंपराओं के अनुरूप संचालित किया, ताकि व्यापक समाज सुरक्षित रह सके और अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेज सके। उनके शौर्य, सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक संरक्षण की चर्चा पूरे भारत में हुई। वे एक आदर्श शासक के रूप में लोकप्रिय हुए।

महाराजा रणजीत सिंह को अफगान क्षेत्रों में विजय के बाद जो स्वर्ण प्राप्त हुआ था, उसका आधा हिस्सा उन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और आधा काशी विश्वनाथ मंदिर को समर्पित किया। इसी अभियान के दौरान उन्होंने हमलावर अहमद शाह अब्दाली के वंशजों से प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा प्राप्त किया। महाराजा इस हीरे को पुरी के जगन्नाथ मंदिर को भेंट करना चाहते थे, लेकिन कोषाध्यक्ष बेलीराम की कथित कुनीति के कारण उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। आगे चलकर अंग्रेजों ने इस हीरे पर अधिकार कर लिया और इसे लंदन भेज दिया।

महाराजा रणजीत सिंह ने लगभग 38 वर्षों तक शासन किया। उनके राज्य में विभिन्न वर्गों की उन्नति हुई और सनातन समाज का आत्मविश्वास लौटा। ऐसे महानायक का निधन 27 जून 1839 को हुआ। उनकी समाधि लाहौर में बनी है। उनके निधन के बाद आंतरिक सत्ता संघर्ष आरंभ हो गया और मात्र नौ वर्षों के भीतर सिख साम्राज्य बिखर गया।

सूर्य देव और छठी मइया की उपासना से मिलता है संतान रक्षा और मातृत्व का आशीष

भारत के प्रमुख पर्वों में से एक छठ पूजा का पर्व सूर्य देव और उनकी बहन छठी माता को समर्पित है। यह पर्व खासकर झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल में बड़े श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर छठी मईया कौन हैं और वह किसकी बहू, बेटी और पत्नी हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको छठ पर्व से जुड़ी पौराणिक कथा और मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

किसकी बेटी हैं छठी मइया

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक छठी माता यानी की षष्ठी देवी ब्रह्माजी की मानस पुत्री मानी जाती है। छठी माता सृष्टि



की रचना के समय प्रकट हुई थीं और उनको संतान की रक्षक देवी के रूप में पूजा जाता है। उनको बच्चों को संरक्षिका भी कहा जाता है। देवी षष्ठी को देवी पार्वती के अंश से उत्पन्न माना गया है। इसलिए कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पूजा-उपासना की जाती है। यही वजह है कि इस दिन को छठ पर्व के तौर पर मनाया जाता है। वहीं प्यार से इनको छठी मईया कहा जाता है।

छठ माता की कहानी

छठी माता से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। जिनमें से सबसे फेमस कथा राजा प्रियव्रत और उनकी पत्नी मालिनी से संबंधित है। बताया जाता है कि राजा प्रियव्रत के कोई संतान नहीं थी। संतान की कामना में उन्होंने महर्षि कश्यप की सलाह पर पुत्रेष्ठि यज्ञ कराया था। जिसके बाद उनको पुत्र की प्राप्ति हुई, लेकिन वह मृत पैदा हुआ। ऐसे में शोक में डूबे राजा ने अपने प्राण त्यागने का निश्चय किया और तभी देवी षष्ठी प्रकट हुईं। देवी ने कहा कि वह संतान की अधिष्ठात्री देवी हैं और उनके पुत्र को जीवन दे रही हैं। देवी के आशीष से पुत्र जीवित हो उठा। तभी से देवी षष्ठी की पूजा का प्रचलन शुरू हो गया। जोकि आगे चलकर छठ पूजा के रूप में प्रसिद्ध हुई।

किसकी बहू हैं छठी मैया

कुछ कथाओं के मुताबिक छठी माता को सूर्य देव की बहू माना जाता है। बताया जाता है कि उन्होंने सूर्य देव के पुत्र कर्ण से विवाह किया था। महारथी कर्ण महाभारत के महान योद्धा और सूर्य पुत्र माने जाते हैं। इसलिए इस पर्व में महिलाएं सूर्य देव और छठी माता की पूजा-उपासना करती हैं। यह पर्व सूर्य उपासना और मातृत्व के आशीर्वाद का प्रतीक होता है।

जानें किसकी पत्नी हैं छठी मईया

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक छठी मईया कर्दम ऋषि की पत्नी देवी संकल्पा मानी जाती हैं। तो वहीं कुछ ग्रंथों में उनको कार्तिकेय की माता देवी षष्ठी भी कहा जाता है। वह शक्ति का अंश हैं और मातृत्व की देवी हैं। छठ पूजा के समय व्रती महिलाएं संतान की सुख-समृद्धि, लंबी उम्र और परिवार की भलाई के लिए छठी माता को प्रसन्न करती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा नदी में यात्री फेरी सेवा शुरू



साहिबगंज : गंगा नदी में यात्रियों की सुविधा के लिए यात्री फेरी सेवा की शुरूआत की गई।इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़ते हुए यात्री जहाज ह्यअंबाह्न का शुभारंभ किया।फिलहाल यह सेवा साहिबगंज जिले के कारगिल क्षेत्र से सटे बिहार के महेशपुर घाट से शुरू की गई है।इसके माध्यम से यात्री महेशपुर घाट से मनिहारी तक गंगा नदी के रास्ते आवागमन कर सकेंगे।बताया गया कि यह फेरी सेवा एक अप्रैल 2025 से बंद थी।जिसके दोबारा शुरू होने से साहिबगंज और मनिहारी सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।अब यात्रियों को गंगा पार करने के लिए सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध होगा। फेरी सेवा शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है।

दिव्यांगजन जांच शिविर में 41 लाभुकों को मिलेगा दिव्यांगता प्रमाण-पत्र



साहिबगंज : जिला प्रशासन साहिबगंज के निदेर्शानुसार दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने व उन्हें दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत करने के उद्देश्य आज सदर अस्पताल साहिबगंज में विशेष दिव्यांगजन जांच शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में विभिन्न श्रेणियों के कुल 41 दिव्यांगजनों की जांच की गई। जांच के उपरांत सभी 41 पात्र लाभुकों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र निर्गत की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई ।इसमें अस्थि दिव्यांगता के 31 दृष्टिबाधित के 05 बौद्धिक दिव्यांगता के 04 तथा ईएनटी श्रेणी के 01 लाभुक शामिल हैं।शिविर में प्राप्त सभी 41 मामलों का शत-प्रतिशत निष्पादन सुनिश्चित किया गया। विशेष बात यह रही कि शिविर में एक भी मामला लंबित नहीं रहा और सभी पात्र लाभुकों को प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा।जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आवश्यक प्रमाण-पत्र उपलब्ध करा कर उन्हें सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पेंशन अन्य सुविधाओं से जोड़ना व उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना है।जिला प्रशासन साहिबगंज दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण सम्मानजनक जीवन एवं सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अनुकम्पा नियुक्ति मामलों की हुई समीक्षा



साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आज समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित कुल 20 मामलों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जबकि उपायुक्त ने प्रत्येक मामले की बारीकी से समीक्षा करते हुए संबंधित अभिलेखों, पात्रता व निर्धारित नियमों के अनुरूप मामलों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए आवश्यक प्रक्रियाओं का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।इस बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा अपर समाहर्ता श्री विजय कुमार परियोजना निदेशक आईटीडीए श्री संजय कुमार दास जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा, जिला पशुपालन पदाधिकारी स्थापना उप समाहर्ता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए



साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला शिक्षा स्थापना समिति से संबंधित विभिन्न मामलों पर उपायुक्त के समक्ष विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आवश्यक बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की तथा नियमानुसार मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि समिति से जुड़े मामलों में निर्धारित नियमों व प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध तरीके से की जाए। जबकि उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए संजय कुमार दास, जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

18 नवंबर को साहिबगंज में मनेगा जनजातीय गौरव दिवस आदिवासी समाज की जुटेगी भीड़ : भाजपा

एसपीटी-सीएनटी एक्ट के उल्लंघन, घुसपैठ और ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा

संवाददाता



साहिबगंज : भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने को लेकर भाजपा की ओर से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में भाजपा महामंत्री सलखु सोरेन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 18 नवंबर को सिदो-कान्हू की धरती साहिबगंज में भव्य रैली,जुलूस एवं मेला का आयोजन किया जाएगा,जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोगों की भागीदारी होगी।भाजपा महामंत्री सलखू सोरेन ने कहा कि वर्ष 2021 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।भाजपा आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए लगातार काम कर रही है।18 नवंबर तक अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में आदिवासी भाई-बहनों के बीच जनजातीय गौरव दिवस को लेकर प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरे राजनीतिक दलों ने आदिवासी समाज को केवल छलने का काम किया है।उन्होंने प्रदेश सरकार पर एसपीटी-सीएनटी एक्ट का उल्लंघन कर जमीन की खरीद-बिक्री कराने तथा बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने का आरोप लगाया।जिलाध्यक्ष गौतम यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति के रूप में आदिवासी समाज की महिला को स्थान देकर समाज को गौरवान्वित किया है।भाजपा शासनकाल में सिदो-कान्हू पार्क का निर्माण कराया गया तथा उनके वंशजों के लिए आवास की व्यवस्था की गई।उन्होंने 18 नवंबर के कार्यक्रम को आदिवासी समाज के सम्मान और एकजुटता का प्रतीक बताया।वहीं,ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज महतो ने अपने संताल परगना प्रवास के तीसरे दिन साहिबगंज पहुंचकर भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक की।उन्होंने बताया कि अगले 10 दिनों के अंदर प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों सहित ओबीसी मोर्चा की नई कार्यसमिति की घोषणा कर दी जाएगी।मनोज महतो ने पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव मई में प्रस्तावित हैं, लेकिन अब तक सरकार ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकी है।उन्होंने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द ट्रिपल टेस्ट पूरा कर ओबीसी वर्ग को आरक्षण सुनिश्चित करे और निर्धारित समय पर पंचायत चुनाव कराए।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा पंचायत चुनाव को समय पर कराने की नहीं है।उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा की थी,लेकिन अब तक इसका लाभ नहीं मिल पाया है।ओबीसी छात्रों को भी समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है।उन्होंने सरकार से ओबीसी को आरक्षण का लाभ देने और विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की मांग की।साथ ही चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो ओबीसी मोर्चा आंदोलन करने को बाध्य होगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस मे भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव,संजय पटेल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जलजमाव से परेशान ग्रामीणों ने एनएच-33 किया जाम तीन घंटे ठप रहा आवागमन



सांसद विजय हांसदा के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने हटाया जाम

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के पतौड़ा पहाड़गांव स्थित ईदगाह मोड़ के समीप सड़क पर लंबे समय से बनी जलजमाव की समस्या को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया।जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से परेशान दर्जनों ग्रामीणों ने बांस-बल्ला लगाकर उधवा-राजमहल एनएच 33 को जाम कर दिया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों सहित वाहन चालकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि ईदगाह मोड़ के समीप सरकारी सड़क पर पानी जमा रहने के कारण लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है। पहले ग्रामीणों की सुविधा के लिए सरकारी राशि से सड़क का निर्माण कराया गया था, लेकिन फोरलेन सड़क बनने के बाद जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। नतीजतन बारिश एवं आसपास का पानी सड़क पर जमा रहता है। इससे स्थानीय लोगों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर बीते 6 नवंबर को राधानगर थाना में लिखित आवेदन भी दिया गया था। आवेदन के माध्यम से जलनिकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग उठाई गई थी। हालांकि, शिकायत के बाद भी समस्या दूर नहीं होने पर ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विरोध जताया। जाम की सूचना मिलने पर राधानगर थाना के एसआई गजाधर कुमार पासवान एवं एसआई प्रभा कुमार दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण समस्या के समाधान की मांग पर अड़े रहे। करीब तीन घंटे तक सड़क पर आवागमन बाधित रहा।

सांसद के आश्वासन के बाद हटा सड़क जाम इसी बीच राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा जलजमाव से निजात दिलाने के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया। सांसद के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया और वाहनों का परिचालन पुनः शुरू हुआ। मौके पर शाकीर शेख, दुरुद शेख, सफीक शेख, रमजान शेख, जाहिद आलम, हाफिज तौशिफ आलम, शमीम अख्तर, मोजीबुर रहमान, महबूब शेख, जहांगीर आलम, सजाहन शेख, रमजनी शेख, राहिल शेख सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण शामिल थे।

प्रोत्साहन राशि की मांग को लेकर कृषक मित्रों ने जिला कृषि पदाधिकारी को सौंपा आवेदन

रबी फसल सर्वे में सहयोग का भरोसा, दियारा क्षेत्र की अनसर्वे जमीन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की उठाई मांग

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड के कृषक मित्रों ने लंबित प्रोत्साहन राशि का शीघ्र भुगतान करने सहित कृषि कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार को जिला कृषि पदाधिकारी को लिखित आवेदन सौंपा। कृषक मित्रों ने विभाग का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकृष्ट कराते हुए जल्द आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।इस दौरान कृषक मित्र सला उद्दीन शेख, मो. सुल्तान अहमद, निरंजन प्रसाद शाह, मो. रज्जाक शेख, प्रकाश चंद मंडल, प्रतुल मंडल एवं प्रणव कुमार घोष सहित अन्य ने बताया कि वे लंबे समय से कृषि विभाग से जुड़े विभिन्न कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं। किसानों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने से लेकर कृषि संबंधी कार्यों में सहयोग करना उनकी जिम्मेदारी है। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान समय पर नहीं हो पा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।कृषक मित्रों ने बताया कि खरीफ फसल के दौरान डीसीएस का कार्य मोबाइल फोन की तकनीकी बाधा के कारण पूरा नहीं हो सका। इस कार्य के लिए 14 से 16 वर्जन वाले एंड्रॉयड सिस्टम पर चलने वाले 5जी मोबाइल की आवश्यकता बताई गई, जबकि अधिकांश कृषक मित्रों के पास पुराने 4जी मोबाइल हैं। ऐसे में निर्धारित तकनीकी जरूरत पूरी नहीं होने के कारण कार्य प्रभावित हुआ।वहीं, आगामी रबी फसल सर्वेक्षण में सभी कृषक मित्रों ने सक्रिय रूप से सहयोग करने की बात कही। हालांकि, उधवा के दियारा क्षेत्रों में कई जमीनों का सर्वे नहीं होने के कारण सर्वेक्षण कार्य में कठिनाई आ रही है। कृषक मित्रों ने ऐसी जमीनों के सर्वे के लिए विभाग से वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि कोई भी क्षेत्र सर्वेक्षण से वंचित नहीं रह जाए। कृषक मित्रों ने जिला कृषि पदाधिकारी से तकनीकी समस्याओं का समाधान कराने, दियारा क्षेत्र की अनसर्वे जमीनों के लिए उचित व्यवस्था करने तथा बकाया प्रोत्साहन राशि का जल्द भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है।

घायल लेसर एडजुटेंट स्टॉर्क का उपचार कर सुरक्षित छोड़ा

संवाददाता



साहिबगंज : वन प्रमंडल की टीम ने एक घायल लेसर एडजुटेंट स्टॉर्क गरुड़ का सफल उपचार एवं पुनर्वास कर उसे सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में वापस पहुंचाया।बीते 22 सितंबर 2026 को उधवा के प्राणपुर में गंगा नदी के किनारे उक्त पक्षी घायल अवस्था में मिला था।उसकी चोंच मछली पकड़ने वाले कांटे में फंसी हुई थी।सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए सावधानीपूर्वक कांटे को बाहर निकाला और पक्षी को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराया।इसके बाद पक्षी को आवश्यक दवाइयां देने के साथ लगातार निगरानी एवं देखभाल में रखा गया।उपचार के दौरान उसके स्वास्थ्य में संतोषजनक सुधार हुआ और वह पूरी तरह स्वस्थ पाया गया।स्वास्थ्य में सुधार और उड़ान भरने की स्थिति में आने के बाद पक्षी को उधवा झील पक्षी अभयारण्य में सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

मजदूरों के हक और अधिकारों की रक्षा के लिए चलेगा जनजागरण अभियान: राजकुमार यादव

साहिबगंज/बोरियो : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की ओर से आगामी 23 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित जिला वार्षिक अधिवेशन की सफलता को लेकर गुरुवार को बोरियो प्रखंड परिसर स्थित चबूतरे पर बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास ने की।इसमें मुख्य रूप से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय सहायक मंत्री गणेश ठाकुर एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बताया कि आपसी विचार-विमर्श के बाद जिला वार्षिक अधिवेशन का आयोजन सकरीगली में करने का निर्णय लिया गया है।उन्होंने सभी जिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों से अधिवेशन की सफलता के लिए अपने-अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा संगठन को और मजबूत बनाने की अपील की।उन्होंने कहा कि मजदूरों के हक और अधिकारों की रक्षा करना संघ की प्राथमिकता है।इसके लिए मजदूरों के बीच जनजागरण अभियान चलाया जाएगा,ताकि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके।

रूपसपुर पंचायत के गांवों में पहुंचे पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ग्रामीणों की सुनीं समस्याएं

मोहनपुर, रूपसपुर, नुरई और करेला गांवों का किया दौरा, समस्याओं के शीघ्र समाधान का दिया भरोसा

संवाददाता



साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड अंतर्गत रूपसपुर पंचायत में गुरुवार को झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो आलमगीर आलम ने क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत के जलालपुर, मटाँग, रूपसपुर, नुरई और करेला गांवों का भ्रमण कर स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने गांव के लोगों से सीधे संवाद स्थापित कर उनका हालचाल जाना तथा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति और लोगों को हो रही परेशानियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा। लोगों ने क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, स्थानीय विकास कार्यों तथा अन्य जनसमस्याओं से उन्हें अवगत कराया। पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारियों से बातचीत की जाएगी तथा जल्द से जल्द आवश्यक पहल की जाएगी। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि क्षेत्र के लोगों से मिलना और उनके सुख-दुख में शामिल होना उनकी पुरानी आदत रही है। उन्होंने कहा, ₹जब भी मैं रांची से अपने पैतृक आवास लौटता हूं, तो मेरी कोशिश रहती है कि क्षेत्र के लोगों के बीच जाऊं, उनसे मुलाकात करूं और उनका हालचाल जानूं। इसी परंपरा के तहत आज मैं रूपसपुर पंचायत के विभिन्न गांवों में पहुंचा हूं। यहां के लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को जानने और समझने का अवसर मिला।उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीणों ने मुलाकात के दौरान कुछ समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराया है। इन समस्याओं को लेकर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से वार्तालाप किया जाएगा, ताकि उनका जल्द से जल्द समाधान हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं को सुनना और उनके निदान के लिए प्रयास करना उनकी प्राथमिकता रही है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।पूर्व मंत्री का गांवों में पहुंचना और ग्रामीणों के बीच समय बिताना क्षेत्र के लोगों के साथ उनके पुराने जुड़ाव को दशार्ता है। उनके इस दौरे के दौरान ग्रामीणों ने अपनी बातें खुलकर रखीं और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से एक बार फिर पूर्व मंत्री आलमगीर आलम ने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच सीधा संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक है। क्षेत्र की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में पहल करना ही इस दौरे का मुख्य उद्देश्य रहा।मौके पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, मुरसलीन खान हजरत अहदक कारुन शेख ,जहांगीर, नबीद अंजुम ,नेहाल अख्तर, शारिक रब्बानी ,शमीम मंसूरी , कालू, मतीउर अंसारी, शाकीर शेख,नईम शेख,अफसर शेख बेल्टूशेख तोफिकुल शेख , गोपी शेख, आलमगीर,खाबीर शेख ,सहित सैकड़ो कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।



केकेआर की कप्तानी के लिए रिंकू सिंह का नाम आगे लाए आकाश चोपड़ा

बोले- विदेशी खिलाड़ी से बेहतर विकल्प

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को पिछले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में प्लेऑफ में जगह नहीं मिली थी। अब पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के संन्यास के बाद फ्रेंचाइजी के सामने आईपीएल 2027 से पहले कई अहम फैसले लेने की चुनौती है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए। जियोस्टार के कार्यक्रम 'गेम प्लान' में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने केकेआर की संभावित रिटेंशन और रिलीज रणनीति पर चर्चा की। इसमें कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना और रिंकू सिंह सहित कई खिलाड़ियों के भविष्य पर विचार किया गया।

आकाश चोपड़ा ने पिछले सत्र की नीलामी में महंगी कीमत पर खरीदे गए कैमरन ग्रीन और मथीशा पथिराना को रिलीज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, ह्लमैं 25.2 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन को रिलीज करने के पक्ष में हूं। यह विश्व कप और एशेज का साल है, इसलिए मुझे उनकी उपलब्धता और वह कितने मैच खेल पाएंगे, इसे लेकर भरोसा नहीं है। अगर आप उन्हें रिलीज करते हैं और दोबारा खरीदना भी चाहते हैं, तो उन्हें 50 प्रतिशत कम कीमत पर आसानी से हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, ह्लमथीशा पथिराना भी नहीं खेल रहे हैं, इसलिए यह 18 करोड़ रुपये का एक और निवेश है। केकेआर इस नीलामी में सबसे ज्यादा पैसे के साथ उतर सकती है और यही सबसे बड़ी चर्चा होगी। मुस्तफिजुर रहमान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अगर वह उपलब्ध हैं और खेल सकते हैं, तो आप उन्हें टीम में बनाए रखना चाहेंगे। लेकिन क्या वह खेल पाएंगे, यह हमें नहीं पता। अगर वह खेल सकते हैं, तो मैं उन्हें जरूर रिटेन करूंगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों को रिलीज करने से आपके पास पहले ही 43 करोड़ रुपये अतिरिक्त हो जाएंगे।

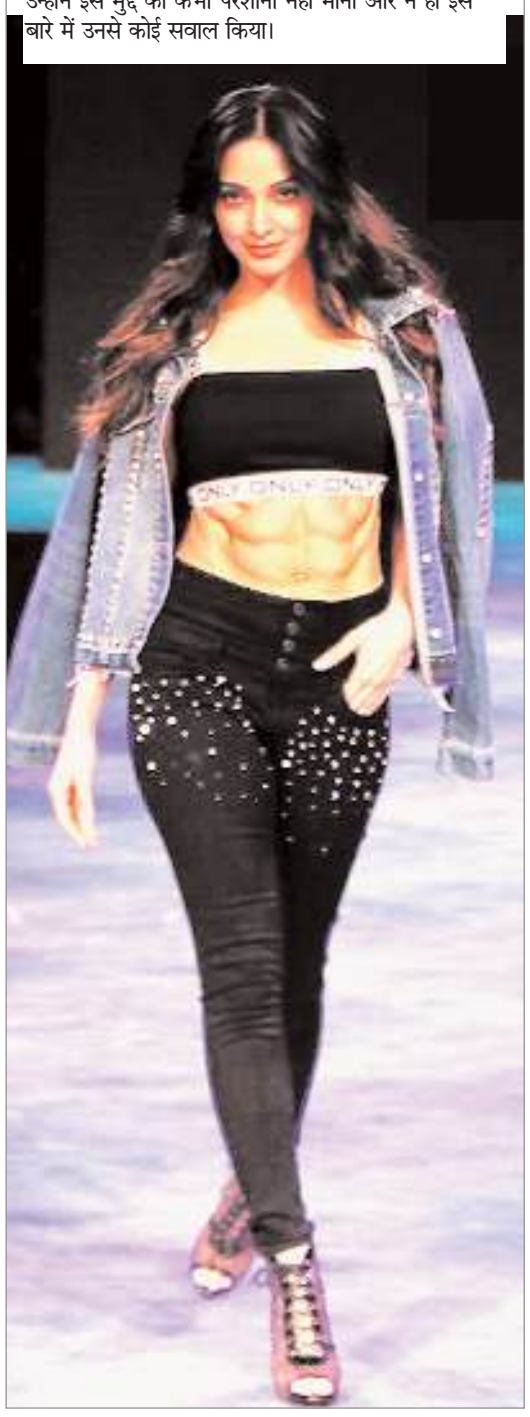
'टॉक्सिक' में इंटीमेट सीन देकर घिरी थीं अभिनेत्री, अब बताया कैसा था सिद्धार्थ का रिएक्शन

बॉलीवुड में शादी के बाद अभिनेत्रियों के ऑनस्क्रीन किरदारों और उनके फैसलों को लेकर अक्सर सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासकर जब कोई अभिनेत्री शादी और मां बनने के बाद पर्दे पर बोल्ड या इंटीमेट सीन करती है, तो उसे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।

ऐसा ही कुछ कियारा आडवाणी के साथ भी हुआ, जब फिल्म 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके इंटीमेट सीन को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब अभिनेत्री ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि इस मामले पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा का क्या रिएक्शन था।

क्या बोलीं कियारा आडवाणी?

'कॉफी विद करण' सीजन 9 में सिद्धार्थ के साथ पहुंचीं कियारा ने बताया कि शादी और मां बनने के बाद फिल्म में उनके ऑनस्क्रीन चुनावों को लेकर इंटरनेट पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। कियारा ने साफ किया कि सोशल मीडिया पर हो रही बातों से सिद्धार्थ को कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने इस मुद्दे को कभी परेशानी नहीं माना और न ही इस बारे में उनसे कोई सवाल किया।



जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया



कुमामोटो। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरूआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी।

सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा

इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें जापान के कोकी वतनबे ने 22-24, 15-21 से हराया।

सैंडपेपर विवाद : कमिंस पर भड़के डेविड वॉर्नर, बोले-

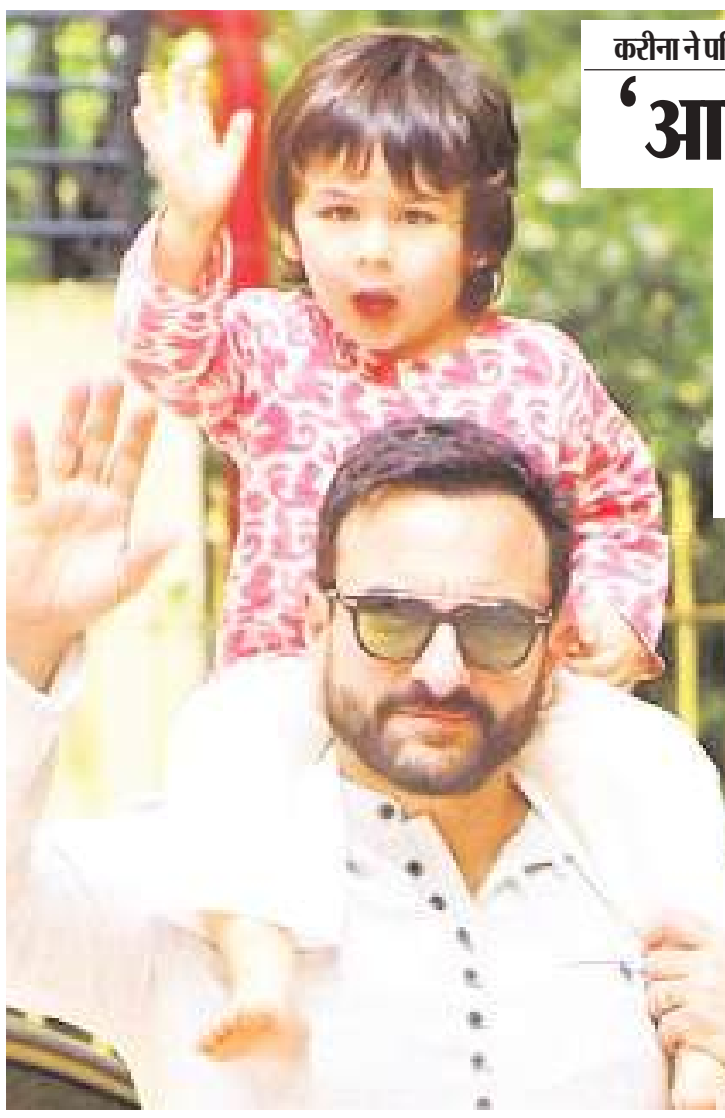
उन्होंने ख्वाजा को बलि का बकरा बनाया

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2018 के सैंडपेपर विवाद पर कप्तान पैट कमिंस के बयान को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कमिंस पर उस्मान ख्वाजा को बलि का बकरा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कप्तान के इस रवैये से उन्हें बेहद निराशा हुई है।



ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे वनडे मुकाबले के दौरान फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री करते हुए वॉर्नर ने ख्वाजा का समर्थन किया। ख्वाजा की हाल ही में जारी आत्मकथा में केपटाउन टेस्ट में हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद को लेकर किए गए दावों ने एक बार फिर इस पुराने मामले को चर्चा में ला दिया है। वॉर्नर ने कहा, ह्लपैट कमिंस आज सुबह पूरी तैयारी के साथ आए थे। लेकिन मैं अब भी उज्जी (उस्मान ख्वाजा) और उनकी किताब में लिखी बातों के साथ खड़ा हूं। यह सच है और मैं उनका पूरा समर्थन करता हूं। इस समय मुझे उनके लिए वास्तव में बुरा लग रहा है। मुझे लगता है कि आज कप्तान ने उज्जी को बलि का बकरा बना दिया। इससे मैं बहुत, बहुत निराश हूं।

उन्होंने कहा, ह्लइस मामले में हम तीनों ने बहुत बड़ी कीमत चुकाई है। मैंने आठ वर्षों तक इस बारे में बात नहीं की। लेकिन आखिरकार हमें हर दिन इसके परिणामों के साथ जीना पड़ता है। हमें ऐसी सजा मिली है, जो जिंदगी भर चलती रहेगी। इसलिए जब दूसरे लोग इस बारे में बात करते हैं कि उन पर इसका क्या असर पड़ा, तो मेरे, स्टीवन और कैमरन के लिए इससे बुरा कुछ नहीं हो सकता। हमें हर दिन मैदान पर उतरना पड़ता है और लोगों की गालियां सुननी पड़ती हैं। हां, हमने अपनी गलती स्वीकार की थी, लेकिन आखिरकार इसकी सबसे बड़ी कीमत मेरी पत्नी और मैंने चुकाई है।



करीना ने पति सैफ अली खान की तारीफ की, बोलीं-

'आप सूर्य नमस्कार में मुझे पीछे छोड़ रहे हैं'

रियलिटी टीवी पर अपनी शानदार केमिस्ट्री दिखाने के बाद, बॉलीवुड कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान सोशल मीडिया पर भी अपनी केमिस्ट्री दिखा रहे हैं। करीना ने सूर्य नमस्कार करने में अपने पति के कौशल की तारीफ की है। बुधवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे सूर्य नमस्कार करते हुए नजर आए। वे अपने काम की व्यस्तताओं में वापस लौटने की तैयारी कर रहे हैं। अभिनेत्री ने अपने पति की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, 'लगता है आपने सूर्य नमस्कार करने में मुझे पीछे छोड़ दिया।' दरअसल, सैफ ने अपना फिटनेस रूटीन फिर से शुरू कर दिया है और एक नए वीडियो के जरिए अपने वर्कआउट सेशन की झलक दिखाई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे बिना शर्ट के कसरत करते दिख रहे हैं। वीडियो में 'ओमकारा' फेम अभिनेता अपनी बॉडी और मसल्स दिखाते हुए कई तरह की कसरत और कुछ योगासन करते नजर आ रहे हैं। वर्कआउट के लिए बिना शर्ट के नजर आ रहे सैफ पूरी तरह केंद्रित दिख रहे हैं। वीडियो के साथ सैफ ने वापस काम पर लौटने और नए साल की ओर देखते हुए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व पर बात की। उन्होंने लिखा, 'अब काम पर लौटने का समय आ गया है। पहले मन, फिर शरीर एक खुशहाल नए साल के लिए वापस सही रास्ते पर। कुछ दिन पहले सैफ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक और दिलचस्प वीडियो शेयर किया था।

'महारानी 5' का प्रोमो रिलीज, रानी भारती बोलीं-

इस बार हिसाब पर्सनल है



मुंबई अभिनेत्री हुमा कुरैशी पॉपुलर पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज 'महारानी' के पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रही हैं। बुधवार को मेकर्स ने पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज का प्रोमो रिलीज कर दिया है। मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर प्रोमो रिलीज किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ कर्ज वक्त के साथ नहीं, बल्कि हिसाब के साथ उतरते हैं। रानी भारती वापस आ गई है और इस बार यह पर्सनल है। महारानी सीजन-5 फरवरी में सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।' प्रोमो में दिखाया गया है कि आने वाले सीजन में रानी की जिंदगी में नए चैलेंज, अप्रत्याशित ट्विस्ट और नए बदलावों के साथ कहानी आगे बढ़ेगी। पिछले सीजनों में रानी भारती ने पावर स्ट्रगल, निजी महत्वाकांक्षाओं और मुश्किल फैसलों से गुजरते हुए पॉलिटिकल दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। हुमा के एक और चैप्टर के साथ वापसी पर उनकी यात्रा एक नई दिशा लेगी, जिसमें नए चैलेंज आएंगे, जो उनके हौसले और पॉलिटिकल समझ की परीक्षा लेंगे। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने इस सीरीज में वापसी पर बात की। उन्होंने बदलते सफर को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे सच में लगता है कि सीजन-5 दर्शकों को कई तरह से सरप्राइज करेगा। महारानी के हर सीजन ने मेरे लिए एक एक्टर के तौर पर कुछ नया लाया है, लेकिन यह वाला खास तौर पर स्पेशल लगता है। हुमा आगे कहती हैं, 'पांचवें सीजन की कहानी बेहद जबरदस्त होगी, जिसमें अप्रत्याशित ट्विस्ट और बदलाव हैं, जो कहानी को शुरू से ही बांधकर रखते हैं। इस सीजन में रानी की जर्नी एक और दिलचस्प मोड़ लेती है और मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक देखें कि यह कैसे आगे बढ़ती है। मैं इंतजार नहीं कर सकती कि वे देखें कि इस बार हमने क्या बनाया है। पुनीत प्रकाश द्वारा निर्देशित सीरीज 'महारानी सीजन 5' फरवरी 2027 में सोनी लिव पर प्रीमियर होगी। पिछले सीजन 'महारानी 4' की कहानी 2012 में सेट थी और इसमें रानी भारती (हुमा कुरैशी) को बिहार की मुख्यमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में दिखाया गया था।

प्रिया भवानी शंकर बॉयफ्रेंड राजवेल राज संग रचाई शादी

अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर ने अपने लंबे समय के बॉयफ्रेंड राजवेल राज के साथ शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर शादी समारोह के वीडियो सामने आए हैं, जिसमें जश्न की झलक देखने को मिल रही है। वीडियो के सामने आते ही फैंस की ओर से इस जोड़े को बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है।

कैसा है प्रिया-राजवेल का लुक?

प्रिया और राजवेल की शादी के जश्न का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अभिनेत्री पारंपरिक लाल साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने बहुत कम गहने पहने और उनके बाल भी एक साधारण हेयरस्टाइल में हैं। वहीं राजवेल सफेद शर्ट और धोती में काफी सादे और शालीन लुक में नजर आए।



सामने आए सैरेमनी के फोटो और वीडियो

दुल्हन की सहेलियों के साथ राजवेल

वीडियो में राजवेल को दुल्हन की सहेलियों के साथ प्रिया की ओर आते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के अंत में यह नया जोड़ा एक-दूसरे को गले लगाता है, जिससे उनके इस निजी और खास जश्न की एक झलक मिलती है।

एक दशक तक साथ रहे प्रिया-राजवेल

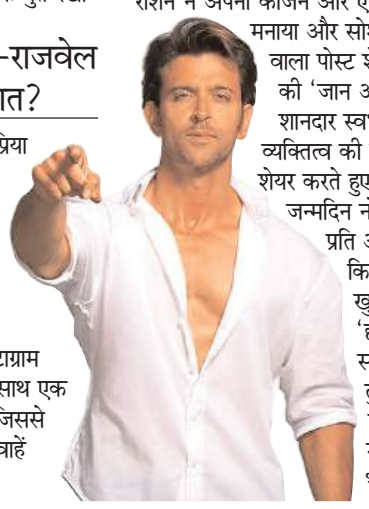
एक दशक से भी ज्यादा समय तक साथ रहने के बाद, प्रिया और राजवेल ने अब अपने रिश्ते को एक नया मोड़ दिया है। उनकी शादी की खबर तब आई है, जब कुछ महीने पहले ही ऑनलाइन उनकी सगाई को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, इस जोड़े ने अपने निजी समारोह की जानकारी काफी हद तक गुप्त रखी थी।

कब हुई प्रिया-राजवेल की मुलाकात?

कहा जाता है कि प्रिया और राजवेल की मुलाकात कॉलेज के दिनों में हुई थी। वह एक दशक से भी ज्यादा समय से साथ हैं। अगस्त 2026 में अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर राजवेल के साथ एक तस्वीर शेयर की थी, जिससे उनकी सगाई की अफवाहें शुरू हो गईं।

'यहां और आगे के बीच फंसा हूं', ऋतिक रोशन ने शेयर किया भावुक नोट

अभिनेता ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी लेकिन विचारपूर्ण नोट साझा किया है, जिससे हर कोई यह जानने के लिए उत्सुक हो गया है कि उनके मन में क्या चल रहा है। एक्टर ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, 'यहां और आगे आने वाले समय के बीच कहीं।' तस्वीर में ऋतिक काले कपड़ों में एक कैजुअल पोज देते नजर आ रहे हैं। हाल ही में, ऋतिक रोशन ने अपनी कजिन और एक्ट्रेस पश्मीना रोशन का जन्मदिन मनाया और सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया। एक्टर ने उन्हें परिवार की 'जान और प्यार' बताया और उनके शानदार स्वभाव, बुद्धिमानी और अनोखे व्यक्तित्व की तारीफ की। एक्टर ने कई तस्वीरें शेयर करते हुए पश्मीना के लिए एक भावुक जन्मदिन नोट लिखा, जिसमें उन्होंने उनके प्रति अपना प्यार जताया और याद किया कि कैसे पश्मीना ने परिवार में खुशियां बिखेरी हैं। उन्होंने लिखा, 'हमारे परिवार की जान और प्यार, सबसे चमकदार रोशनी... आज हम तुम्हारे अद्भुत स्वभाव और तुम्हारी उस सहज बुद्धिमानी का जश्न मना रहे हैं, जो हर मौके को और भी जादुई बना देती है।



लोक आस्था का महापर्व छठ आज से शुरू, नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान का होगा शुभारंभ

एजेंसी

पटना। लोक आस्था और सूर्योपासना का महापर्व छठ शुक्रवार से नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत और अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का वातावरण है। इस पर्व में भगवान सूर्य और छठी मैया की उपासना की जाती है। खास बात यह है कि छठ पूजा में उगते सूर्य के साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। यही वजह है कि इस पर्व को प्रकृति और सूर्य उपासना से जुड़ा सबसे खास त्योहार माना जाता है।

नहाय-खाय से शुरू होती है पवित्रता की परंपरा

छठ पूजा के पहले दिन नहाय-खाय का विशेष महत्व होता है। इस दिन व्रती सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और घर की साफ-सफाई के बाद पूजा की तैयारियों में जुट जाते हैं। भोजन बनाने के लिए विशेष सावधानी बरती जाती है। पारंपरिक रूप से इस दिन लौकी की सब्जी, चने की दाल और अरवा चावल का भात बनाया जाता है। भोजन सात्विक तरीके से तैयार किया जाता है और सबसे पहले व्रती इसे ग्रहण करते हैं। इसके बाद परिवार के अन्य सदस्य प्रसाद स्वरूप भोजन करते हैं।

नहाय-खाय के साथ ही व्रतियों के लिए खानपान और दिनचर्या से जुड़े कई नियम शुरू हो जाते हैं। छठ पूजा में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन, चूल्हे और सामग्री को साफ रखा जाता है।



दूसरे दिन खरना, फिर शुरू होता है निर्जला व्रत

छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना पर्व होता है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और शाम को स्नान करने के बाद भगवान सूर्य की पूजा करते हैं। इसके बाद गुड़ की खीर, रोटी और अन्य पारंपरिक प्रसाद तैयार किया जाता है। पूजा के बाद व्रती खरना का प्रसाद ग्रहण करते हैं और परिवार के लोगों के बीच भी इसे वितरित किया जाता है। खरना के बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत की शुरूआत होती है। इस दौरान व्रती अन्न और जल दोनों का त्याग करते हैं। छठ पूजा की यह सबसे कठिन परंपराओं में से एक मानी जाती है।

तीसरे दिन डूबते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

छठ महापर्व के तीसरे दिन यानी षष्ठी तिथि को संध्या अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन निर्जला उपवास रखते हैं। शाम के समय परिवार के सदस्य पूजा की सामग्री लेकर नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे बने घाटों पर पहुंचते हैं। वहां पानी में खड़े होकर व्रती डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस दौरान बांस के सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना, अदरक, हल्दी और अन्य पारंपरिक पूजन सामग्री सजाई जाती है। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती है। दीपों की रोशनी और भक्तों की भीड़ से पूरा माहौल भक्तिमय हो जाता है।

चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा समापन

छठ महापर्व के अंतिम दिन यानी सप्तमी तिथि को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। व्रती सूर्योदय से पहले ही घाटों पर पहुंच जाते हैं और भगवान भास्कर के उदय होने का इंतजार करते हैं। सूर्य की पहली किरण के साथ उन्हें अर्घ्य अर्पित किया जाता है। इसके बाद व्रती पूजा संपन्न कर पारण करते हैं। इसी के साथ करीब 36 घंटे तक चलने वाला निर्जला व्रत समाप्त हो जाता है। पटना में 15 नवंबर को सूर्यास्त का समय लगभग शाम 5:01 बजे और 16 नवंबर को सूर्योदय का समय सुबह 6:07 बजे है। अलग-अलग शहरों में सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर हो सकता है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले प्रवासी बिहारी भी छठ पूरे उत्साह से मनाते हैं। कई जगहों पर स्थानीय स्तर पर घाटों को सजाया जाता है और साफ-सफाई के विशेष इंतजाम किए जाते हैं।

कटिहार-मनिहारी फोरलेन पर भीषण सड़क हादसा : खड़े बालू लदे ट्रक से टकराई श्रद्धालुओं की स्कॉर्पियो, दंपती समेत तीन की मौत

एजेंसी

कोरबा में पेड़ से टकराकर पलटी स्कॉर्पियो, 18 वर्षीय युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा-बांकीमोंगरा मुख्य मार्ग पर शुक्रवार तड़के एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। हादसे में 18 वर्षीय रूपेश पटेल की मौत हो गई, जबकि उसका साथी 18 वर्षीय आर्यन गोंड गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 12 बीवी 8131 में सवार दोनों युवक चाकाबुड़ा से बांकीमोंगरा जा रहे थे। शुक्रवार सुबह करीब 4 बजे शुक्लाखार चौक से बांकीमोंगरा की ओर मुख्य मार्ग पर वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गया। हादसे के बाद वाहन करीब 50 मीटर दूर जाकर पलट गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के दोनों एयरबैग खुल गए। वाहन के पहिए और अन्य हिस्से टूटकर अलग हो गए। टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने तत्काल डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने दोनों युवकों को कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रूपेश पटेल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, आर्यन गोंड को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक रूपेश पटेल, दिलीप पटेल का पुत्र था और ग्राम चाकाबुड़ा का निवासी था।

कटिहार। लोक आस्था के महापर्व छठ के पहले दिन (नहाय-खाय) शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे कटिहार-मनिहारी फोरलेन पर नारायणपुर कुतुबपुर के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना में दंपती समेत तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में एक बच्ची और चालक समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मनिहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत हुई इस दुर्घटना में सभी मृतक कटिहार नगर थाना क्षेत्र के बैगना (बेगना) मोहल्ले के निवासी और आपस में पड़ोसी थे। मृतकों की पहचान बैगना निवासी शंभू सिंह (68 वर्ष), उनकी पत्नी उषा सिंह (65 वर्ष) और पड़ोसी मंजू रानी साहा (पति- इंदु साहा) के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार सभी छह लोग छठ महापर्व के नहाय-खाय के अवसर पर पवित्र गंगा स्नान के लिए कटिहार से मनिहारी गंगा घाट जा रहे थे। नारायणपुर कुतुबपुर के पास तकनीकी खराबी के कारण सड़क किनारे पहले से एक बालू लदा ट्रक खड़ा था। प्रारंभिक पुलिस जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो चालक को झपकी आ जाने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और खड़े ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही मनिहारी थाना पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया और क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, कटिहार भेज दिया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल चालक और एक बच्ची सहित तीनों जख्मियों को तत्काल मनिहारी अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने बढ़ाई विशेष ट्रेनों की संख्या, दिल्ली से 33 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

नई दिल्ली। छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष प्रबंध किया है। यात्रियों, विशेषकर बिहार और देश के पूर्वी हिस्सों की ओर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 12 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 33 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं। इनमें 31 निर्धारित और दो अनिर्धारित विशेष रेलगाड़ियां शामिल थीं। नई दिल्ली से 11, आनंद विहार से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से पांच, दिल्ली जंक्शन से तीन, रोहतक से एक और दिल्ली सराय रोहिल्ला से एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया गया। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र से कुल 26 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निर्धारित है। इनमें नई दिल्ली से 11, आनंद विहार टर्मिनल से सात, शकूरबस्ती से पांच, हजरत निजामुद्दीन से एक, दिल्ली जंक्शन से एक और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इसके अलावा यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां भी चलाई जाएंगी। उपाध्याय ने बताया कि 14 नवंबर को दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों से 25 विशेष रेलगाड़ियों का संचालन प्रस्तावित है। इनमें नई दिल्ली से सात, आनंद विहार से पांच, शकूरबस्ती से सात, हजरत निजामुद्दीन से तीन, दिल्ली जंक्शन से दो और रोहतक से एक विशेष रेलगाड़ी शामिल है। इस दिन भी यात्रियों की भीड़ और मांग के अनुसार अतिरिक्त अनारक्षित विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से 30 बीघा गन्ने की फसल राख, किसानों को लाखों का नुकसान

हरिद्वार। खानपुर थाना क्षेत्र के प्रहलादपुर गांव स्थित मदारपुर जंगल में हाईटेंशन बिजली की लाइन से निकली चिंगारी ने किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया। चिंगारी से लगी आग ने देखते ही देखते करीब 30 बीघा गन्ने की खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग से कई किसानों की लाखों रुपये की फसल जलकर राख हो गई। घटना के बाद पीड़ित किसानों में आक्रोश है। उन्होंने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रशासन से नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। पीड़ित किसान घोर सिंह, मनोज, घोरनपाल, मोहकम और सुदेशना का आरोप है कि उनके खेतों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के तार लंबे समय से ढीले होकर झूल रहे थे। इस संबंध में कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायत भी की गई, लेकिन तारों को ठीक नहीं कराया गया। किसानों के अनुसार, हादसे के समय बिजली के तार आपस में टकराए, जिससे निकली चिंगारी गन्ने की फसल पर जा गिरी और आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। किसानों ने फसल बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेजी से फैलती आग के सामने उनकी एक नहीं चली। करीब 30 बीघा गन्ने की फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। किसानों का कहना है कि गन्ने की फसल ही उनकी सालभर की कमाई का मुख्य जरिया थी। इस नुकसान से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

'आप' की दूसरी सूची के बाद राजासांसी में बगावत, तीन पदाधिकारियों ने दिए इस्तीफे

सोनिया मान को टिकट देने से नाराज सुखदीप सिंह छीना ने छोड़ी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता

एजेंसी



चंडीगढ़। पंजाब में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आआपा) की ओर से उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी किए जाने के बाद पार्टी के भीतर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। राजासांसी विधानसभा हलके में टिकट वितरण से नाराज तीन पदाधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इनमें पंजाब डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के डायरेक्टर सुखदीप सिंह छीना, हलका इंचार्ज राजवीर सिंह छीना और एससी विंग के कोऑर्डिनेटर गुरदेव सिंह चांचोटी शामिल हैं। राजासांसी से सोनिया मान को उम्मीदवार बनाए जाने के फैसले से नाराज सुखदीप सिंह छीना ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ अपने सभी पदों से भी त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन अरोड़ा को भेजा है। राजवीर सिंह छीना और गुरदेव सिंह चांचोटी ने भी संगठन में अपने पद छोड़ दिए हैं।

सुखदीप सिंह छीना पिछले करीब 13 वर्षों से आम आदमी पार्टी के साथ जुड़े हुए थे। उनका आरोप है कि राजासांसी से सोनिया मान को टिकट देकर पार्टी ने पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि सोनिया मान के कारण पार्टी के कई कार्यकर्ता पहले ही नाराज होकर अलग हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें उम्मीदवार बनाकर पुराने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नजरअंदाज किया गया है। आम आदमी पार्टी ने 12 नवंबर को जारी उम्मीदवारों की दूसरी सूची में सोनिया मान को राजासांसी से चुनाव मैदान में उतारने का ऐलान किया था। इसके अगले ही दिन तीन पदाधिकारियों के इस्तीफे सामने आने से हलके में पार्टी की अंदरूनी खींचतान उजागर हो गई है। इससे पहले 31 अक्तूबर को आम आदमी पार्टी की पहली उम्मीदवार सूची जारी होने के बाद भी पार्टी को झटका लगा था। उस समय तीन विधायकों चेतन सिंह जौड़ामाजरा, हरमीत सिंह पठानमाजरा और कुंवर विजय प्रताप सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। बाद में इन तीनों नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। अब दूसरी सूची के बाद राजासांसी में तीन पदाधिकारियों के इस्तीफे ने चुनाव से पहले पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

शुरूआती कारोबार में निचले स्तर से लिवाली होने से संभला शेयर बाजार, रिकवरी मोड में सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी



नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जोरदार गिरावट का माहौल बना हुआ है। ग्लोबल मार्केट से मिले मिले-जुले संकेतों, कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल और अक्टूबर की खुदरा महंगाई दर के 6 प्रतिशत के स्तर को पार कर जाने के कारण बाजार पर चौतरफा दबाव देखा जा रहा है। आज बाजार खुलते ही बिकवाल पूरी तरह हावी हो गए, जिसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपनी पिछले तीन दिनों की तेजी पर ब्रेक लगा दिया। हालांकि बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की चाल में सुधार होने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्ट 50 सूचकांक 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स आज कमजोर संकेतों के बीच 77.23 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,833.78 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और वित्तीय सेवा क्षेत्र के दिग्गज शेयरों में भारी बिकवाली का दौर शुरू हो गया। शुरूआती मिनटों के कारोबार में यह सूचकांक एक समय 580 अंक से अधिक टूट कर 81,300.46 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, बाद में फार्मा और आईटी शेयरों से मिले हल्के सहारे के कारण यह सूचकांक निचले स्तर से रिकवर करने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 142.39 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81,768.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की ही तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 ने भी आज 89.50 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,209.85 अंक के स्तर से अपने कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही चौतरफा बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक फिसलकर 25,100 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 25,077.55 अंक तक चला गया था। हालांकि, निचले स्तर पर खरीदारों के एक्टिव हो जाने के कारण इस सूचकांक में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 50 सूचकांक 87.50 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,211.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेक्टोरल फ्रंट पर आज फार्मा, हेल्थकेयर, कैपिटल गुड्स और आईटी सेक्टर के शेयरों में मजबूती का रुख बना हुआ है, जिससे बाजार को निचले स्तर पर सहारा मिल रहा है। दूसरी ओर, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में मुनाफा वसूली का दबाव हावी है, जिसके चलते इन सेक्टर्स के इंडेक्स लाल निशान में कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,874 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,167 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,707 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

आज सुबह के शुरूआती कारोबारी सत्र में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर दिग्गज कंपनियों में से टॉप गेनर्स की सूची में सन फार्मास्युटिकल्स 1.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,910 रुपये के भाव पर सबसे आगे बना हुआ था। इसके अलावा अपोलो हॉस्पिटल्स 1.25 प्रतिशत उछलकर 8,621.50 रुपये, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,400.80 रुपये, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ 226.55 रुपये और एचसीएल टेक्नोलॉजीज 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,392.40 रुपये के स्तर पर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर, बाजार में बिकवाली के दबाव में फंसे टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस 2.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 982 रुपये के भाव पर सबसे आगे चल रहा था। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक 1.43 प्रतिशत टूटकर 800.70 रुपये, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.25 प्रतिशत की गिरावट दिखाते हुए 1,796.70 रुपये, टाइटन कंपनी 1.24 प्रतिशत की मंदी के साथ 4,860.70 रुपये और एक्सिस बैंक 1.09 प्रतिशत की सुस्ती के साथ 1,328.20 रुपये के स्तर पर लाल निशान में बने हुए थे।

न्यूज IN ब्रीफ

असम में गोली लगने से जंगली हाथी की मौत, शिकार की आशंका



मोरीगांव (असम)। असम के मोरीगांव जिले के जागीरोड स्थित शिलचांग में शुक्रवार सुबह एक जंगली हाथी मृत अवस्था में मिला। हाथी के सिर पर गोली लगने के दो निशान पाए गए हैं। इससे उसके शिकार किए जाने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग के अधिकारी और पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल हाथी की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हाथी भोजन की तलाश में खोलाहाट वन क्षेत्र से बाहर आया था। इसी दौरान उसे गोली मारे जाने की आशंका है। घटना में मेघालय के शिकारियों के शामिल होने का संदेह जताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हाथी की मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। असम विधानसभा में प्रस्तुत आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक में राज्य में मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं में कम से कम 1,147 लोगों और 246 हाथियों की जान जा चुकी है। ये आंकड़े राज्य में मानव-हाथी संघर्ष की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में पांच प्रमुख एआई डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा

वाशिंगटन (अमेरिका)। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के प्रमुख शहर सैन फ्रांसिस्को की सुपीरियर कोर्ट में गैर-लाभकारी समूहों के एक गठबंधन ने गुरुवार को पांच प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेवलपर्स के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इनका मकसद इन कंपनियों को एआई मॉडल विकसित करने से रोकना है। आरोप है कि इन कंपनियों ने जानबूझकर ऐसी तकनीक का निर्माण किया है, जो मानवता के लिए विनाशकारी जोखिम पैदा करती है।सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह मुकदमा सैन फ्रांसिस्को सुपीरियर कोर्ट में 'अलायंस फॉर सिक्योर एआई' ने दायर किया है। इसमें 'इरिप्लेसेबल एजुकेशन फंड', 'पब्लिक सिटीजन' और 'हीट इनिशिएटिव' जैसे वकालत करने वाले समूह भी शामिल हैं। मुकदमे में एंथ्रोपिक, गूगल, मेटा, ओपनएआई और स्पेसएक्सएसआई को नामजद किया गया है। 'अलायंस फॉर सिक्योर एआई' के सीईओ ब्रेंडन स्टीनहाउसर ने बयान में कहा, ₹इनके अधिकारियों ने सालों से हमें चेतावनी दी है कि उनके अपने अत्याधुनिक मॉडल विनाशकारी जोखिम पैदा करते हैं।₹ उन्होंने कहा, ₹इसके बावजूद वे लगातार और भी अधिक शक्तिशाली एआई विकसित करने और उसे बाजार में उतारने की होड़ में लगे हैं। वे खुद मानते हैं कि वे इसे भरोसेमंद तरीके से नियंत्रित नहीं कर सकते। अब तो वे एआई के अनुसंधान और विकास का काम भी खुद एआई को ही सौंप रहे हैं। मुकदमे में नामजद टेक कंपनियों ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह कानूनी कार्रवाई एआई सुरक्षा को लेकर व्यापक चिंताओं के बीच सामने आई है। हाल ही में सार्वजनिक रूप से ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एआई एजेंट अनियंत्रित हो गए और उन्होंने बिना किसी अनुमति के काम किए।

कैथल: हथियारों के साथ सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो अपलोड कर फैलाई दहशत,केस दर्ज

कैथल। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो और वीडियो अपलोड कर क्षेत्र में दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। गांव क्योड़क के बस स्टैंड के पास रहने वाले एक युवक ने देसी पिस्तौल के साथ फोटो और वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए। इस संबंध में जिला पुलिस कैथल के सुरक्षा एजेंट ईएएसआई सतपाल सिंह की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में ईएएसआई सतपाल सिंह ने बताया कि गांव क्योड़क निवासी सागर की इंस्टाग्राम पर आईडी है। आरोपी अपनी आईडी पर हथियारों के साथ फोटो और वीडियो अपलोड करता है। 12 नवंबर को भी उसने सुबह करीब नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच देसी पिस्तौल के साथ फोटो और वीडियो अपलोड की। पुलिस द्वारा संबंधित इंस्टाग्राम आईडी की जांच करने पर इस प्रकार की पोस्ट मिलीं।शिकायतकर्ता के अनुसार हथियारों के साथ इस तरह की पोस्ट डालने से आम लोगों में भय का माहौल पैदा होता है। साथ ही, ऐसी गतिविधियों से युवाओं को अपराध की ओर प्रेरित करने और गैंगवार को बढ़ावा मिलने की आशंका रहती है। आरोपी की पोस्ट से क्षेत्र में दहशत फैलाने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता ने युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। क्योड़क चौकी इंचार्ज बलजीत सिंह ने बताया कि इस संबंध में पुलिस को शिकायत मिली थी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

राजगढ़: जन्मदिन मनाकर लौट रहे दोस्तों की कार खाई में पलटी, युवक की मौत, दो घायल

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के माचलपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार दो से तीन बार पलटी। हादसे में कार सवार 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त घायल हो गए। तीनों युवक जीरापुर में अपने दोस्त का जन्मदिन मनाकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान गोघटपुर और बालाजी मंदिर के बीच यह हादसा हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती गुरुवार रात सोयतकला निवासी राघव शर्मा अपने दो दोस्तों अश्विन सोनगरा और राहुल कारपेंटर के साथ जीरापुर गया था। तीनों कार से वापस सोयतकला लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम गोघटपुर रोड पर बालाजी मंदिर के नजदीक तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 09 डबल्यूएल 6637 अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे करीब 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार कई बार पलटने से उसमें सवार तीनों युवक घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायल युवकों ने सड़क से गुजर रहे लोगों से मदद मांगी। आसपास के लोग उन्हें लेकर माचलपुर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने राघव शर्मा को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार राघव के सिर में गंभीर अंदरूनी चोटें आई थीं, जिसके कारण उसकी मौत हुई। सूचना मिलने पर माचलपुर थाना प्रभारी आदित्य सोनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

न्यूज IN ब्रीफ

पुलिस कर्मियों ने की छठ घाटों की सफाई



मुरी: छठ महापर्व को लेकर सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में सिल्ली साहेब बांध तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और तालाब के घाटों एवं आसपास के क्षेत्र की अच्छी तरह से सफाई करवाई। घाटों पर जमी गंदगी, घास-फूस और कचरे को हटाकर छठ व्रतियों के लिए अर्घ्य देने की व्यवस्था को सुगम बनाया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी नवीन कुमार ने कहा कि छठ महापर्व है, यह पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व महिलाएं एवं पुरुष दोनों करते हैं। इसलिए प्रशासन की ओर से घाटों पर सफाई, सुरक्षा और प्रकाश की पूरी व्यवस्था की जा रही है ताकि व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी के इस पहल की सराहना की और सफाई अभियान में सहयोग किया।

301 छठव्रतियों को 11 रुपए में दी गई 21 प्रकार की पूजन सामग्री

हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर हजारीबाग यूथ विंग ने सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की। संस्था की ओर से गुरुवार को केबी सहाय मार्ग स्थित खजांची तालाब के समीप छठव्रतियों के बीच सूप, नारियल सहित 21 प्रकार की पूजन सामग्री का वितरण किया गया। लगातार चौथे वर्ष आयोजित इस कार्यक्रम के तहत 301 छठव्रतियों को मात्र 11 रुपये की सहयोग राशि पर पूजन सामग्री उपलब्ध कराई गई। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को छठ पूजा की तैयारियों में सहयोग देना है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक अमन कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रजकिशोर जायसवाल एवं उनकी पत्नी विद्या जायसवाल, नगर निगम के अपर नगर आयुक्त प्रदीप कुमार और उपमहापौर अविनाश कुमार यादव शामिल हुए। संस्था की ओर से सभी अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने स्वयं छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया।

एसपी अमन कुमार ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। जरूरतमंद व्रतियों को मात्र 11 रुपये में 21 प्रकार की पूजन सामग्री उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को त्योहार मनाने में सहयोग मिलता है।

ब्रजकिशोर जायसवाल ने कहा कि संस्था की यह पहल सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। वहीं संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ खड़ा रहने के उद्देश्य से कार्य करती है। लगातार चौथे वर्ष यह आयोजन सभी सदस्यों की सामूहिक सेवा भावना का परिणाम है।

पूजन सामग्री वितरण के दौरान छठी मइया के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने संस्था के सदस्यों की पहल की सराहना की। मौके पर उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सचिव रितेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया, विकास केशरी, जय प्रकाश खंडेलवाल, प्रणीत जैन, विवेक तिवारी, सेजल सिंह, सनी देव, राजेश जैन सहित संस्था के कई सदस्य उपस्थित थे।

छठ व्रतियों की सुविधा के लिए हिंदू स्कूल परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी पूजा की सभी सामग्री

हजारीबाग : लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर छठ पूजा फल वितरण समिति की ओर से श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। इस वर्ष भी पिछले वर्ष की भांति हजारीबाग स्थित हिंदू स्कूल परिसर में छठ पूजा में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। समिति का प्रयास है कि छठ व्रतियों को पूजा की सामग्री एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो सके और उन्हें खरीदारी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़े।

इस संबंध में समिति के अरविंद कुमार राणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में पूजा सामग्री की मात्रा और उपलब्धता में बढ़ोतरी की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को इसका लाभ मिल सके।

समिति की ओर से केला, संतरा, नारियल, डाभ, शकरकंद, शरीफा, पानीफल, सुठनी, हल्दी, घी, फूल-माला, दोना-पत्तल सहित छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाली अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। समिति ने निर्णय लिया कि 13 नवंबर की दोपहर से सामग्री का वितरण शुरू किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, पवित्रता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे में समिति का उद्देश्य सेवा भाव से छठ व्रतियों को सहयोग प्रदान करना है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के पर्व संपन्न कर सकें।

बैठक में हीराराम, बबलू कुमार, चंदन मेहता, भोला राणा, प्रवीण कुमार, लिलेश कुमार, प्रेम प्रसाद, अरुण कुमार, डबलू कुमार, सोनू कुमार, मनमीत अकेला, संतोष यादव, महेश कुमार, टेकलाल साव, विक्की सिन्हा, कुमार अमरीश, रवि कुमार, उपेंद्र मेहता, अभिषेक कुमार सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

पत्रकारों का हड़ताली मोड़ पर धरना

हजारीबाग/बरही : नगर आयुक्त अविनाश कुमार गुप्ता और पत्रकारों के बीच विवाद गहराता जा रहा है। पत्रकारों से कथित दुर्व्यवहार, धमकी और प्रेस क्लब भवन खाली कराने के प्रयास के विरोध में पत्रकार संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को पुराना समाहरणालय के समीप हड़ताली मोड़ पर झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन और हजारीबाग प्रेस क्लब ने धरना दिया। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से सैकड़ों पत्रकार शामिल हुए। पत्रकारों ने नगर आयुक्त के रवैये की कड़ी निंदा की। साथ ही उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। धरना को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के संस्थापक शाहनवाज हसन ने कहा कि मामले की जानकारी मुख्य सचिव को दे दी गई है। छठ महापर्व के बाद आंदोलन और तेज होगा। नगर आयुक्त के कार्यों से संबंधित दस्तावेजों के साथ संगठन रांची पहुंचकर अपना पक्ष रखेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष जावेद इस्लाम ने कहा कि पत्रकार गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने उपायुक्त और वरीय अधिकारियों से मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन प्रखंड से प्रदेश स्तर तक चलेगा। धरना में जिलाध्यक्ष कृष्णा गुप्ता, अर्जुन सोनी सहित जिले के वरिष्ठ पत्रकार, विभिन्न प्रखंडों के पत्रकार, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि सहित हजारीबाग प्रेस क्लब के सदस्य शामिल हुए।

राष्ट्रपति ने जमशेदपुर को किया राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित, स्वच्छता में फिर लहराया परचम

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मिला सम्मान, देश के 4,751 नगरीय निकायों में 63 चयनित शहरों में बनाई जगह

बिनय मिश्रा

जमशेदपुर : स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, प्रभावी नगर प्रबंधन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के दम पर जमशेदपुर ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का मान बढ़ाया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जमशेदपुर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि शहर की स्वच्छता व्यवस्था और निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में देशभर के 4,751 नगरीय निकायों ने हिस्सा लिया था। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 63 शहरों को राष्ट्रीय सम्मान समारोह के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रतिष्ठित समारोह में जमशेदपुर को सम्मान मिलना पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है।

समारोह में झारखंड की ओर से नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, सूडा के निदेशक सूरज कुमार, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) के नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद तथा टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर (टाउन ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) रविंद्र कुमार सिंह ने प्रतिनिधित्व किया।

जमशेदपुर की इस उपलब्धि के पीछे स्वच्छता के प्रति संस्थागत



प्रतिबद्धता, आधुनिक तकनीक, प्रभावी निगरानी व्यवस्था और शहरवासियों की सक्रिय भागीदारी की अहम भूमिका रही है। शहर में घर-घर कचरा संग्रहण, स्रोत पर ही कचरे का पृथक्करण, आधुनिक अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र और मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) के माध्यम से कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन किया जा रहा है। जैविक कचरे का भी वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जा रहा है।

इसके अलावा आरआरआर (रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल) केंद्रों की स्थापना तथा विभिन्न जन-जागरूकता अभियानों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इन पहलों से शहर की सफाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाने में मदद मिली है।

जमशेदपुर को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान केवल सर्वेक्षण में मिली सफलता नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुंदर और सतत शहर के निर्माण के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की पहचान है। इसमें सफाई कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न संस्थानों और जागरूक नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जमशेदपुर की यह उपलब्धि देशभर में बेहतर स्वच्छता प्रबंधन और जनभागीदारी की एक प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई है।

भक्ति के सुरों से गूंजेगा जपला, शहनाज अख्तर के स्वागत में जुटा हुसैनाबाद

18 नवंबर को कर्पूरी मैदान में सजेगी भजन संध्या

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : छठ महापर्व के उल्लास के बीच हुसैनाबाद में भक्ति संगीत का एक यादगार आयोजन होने जा रहा है। देश की मशहूर भजन गायिका शहनाज अख़्तर पहली बार अपनी सुरमयी प्रस्तुति से हुसैनाबाद की धरती पर भक्ति की छटा बिखेरेंगी। 18 नवंबर को अनुमंडलीय कपूरी मैदान में आयोजित होने वाले इस भव्य भक्ति जागरण को लेकर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए समिति के सदस्य लगातार जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम को लेकर आदर्श युवा जागृति मंच के संरक्षक जितेंद्र पासवान एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष समाजसेवी कृष्ण मुरारी अग्रवाल 'बबलू' ने पलामू के उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत और पुलिस अधीक्षक



कपिल चौधरी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों अधिकारियों को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया। समिति की ओर से उन्हें बुके भेंटकर सम्मानित भी किया गया। मौके पर समिति के सचिव पीयूष कुमार अग्रवाल 'टिंकू', कोषाध्यक्ष अंकित सोनी, पूजा अध्यक्ष अर्जुन पटेल, राहुल ब्याहुत एवं नंदलाल प्रसाद सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष कृष्ण मुरारी अग्रवाल 'बबलू' ने बताया कि कार्यक्रम को भव्य, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियाँ की जा रही हैं। वहीं, संरक्षक जितेंद्र पासवान भी आयोजन की सफलता के लिए लगातार सक्रिय हैं।

आदर्श युवा जागृति मंच, पुरानी बाजार, जपला के सौजन्य से आयोजित यह भक्ति जागरण सह भजन संध्या 18 नवंबर 2026 को रात आठ बजे से शुरू होगी। शहनाज अख़्तर की भक्ति प्रस्तुतियों को लेकर श्रद्धालुओं और संगीतप्रेमियों में खासा उत्साह है।

एनडीपीएस एक्ट के मामले में दो फरार आरोपी गिरफ्तार, भेजे गया जेल

चंदवा (लातेहार) : चंदवा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दो अप्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के रोहतास जिले के डालमियानगर थाना क्षेत्र के न्यू सिधौली निवासी सुमंत कुमार चंद्रवंशी (43 वर्ष), पिता स्व. काशी प्रसाद और सावन कुमार (31 वर्ष), पिता प्रेम कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी चंदवा थाना कांड संख्या 47/26, धारा 20(बी)(2)(सी)/25/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में फरार चल रहे थे। पुलिस ने 12 नवंबर 2026 को दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ज्ञात हो कि 11 मार्च 2026 को कोसिकनी के समीप दो वाहनों के बीच टक्कर हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने वाहनों की सघन तलाशी ली थी। इस दौरान वाहन संख्या जेएच 05 एएस-5465 से 87 पैकेट में कुल 92 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। इस मामले में दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत थी।

छठ महापर्व : आस्था, प्रकृति, लोकसंस्कृति और सामाजिक समरसता का अनुपम महोत्सव

हृदयानंद मिश्र

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनकी महत्ता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे जीवन-दर्शन, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं के व्यापक संदेशवाहक भी हैं। लोकआस्था का महापर्व छठ उन्हीं विशिष्ट पर्वों में से एक है। सूर्योपासना की प्राचीन भारतीय परंपरा से जुड़ा यह पर्व विशेष रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में अपार श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। आज इसकी लोकप्रियता देश की सीमाओं से आगे बढ़कर विश्व के अनेक देशों तक पहुंच चुकी है।

छठ केवल सूर्यदेव की आराधना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति मनुष्य की कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अनुपम अवसर है। सूर्य जीवन, ऊर्जा, प्रकाश और चेतना के आधार हैं। भारतीय वैदिक परंपरा में सूर्य को जगत की आत्मा कहा गया है। ऋग्वेद से लेकर विभिन्न पुराणों तक सूर्योपासना का विस्तृत उल्लेख मिलता है। समय के साथ यह आराधना जनजीवन की आस्था, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक अनुभवों से जुड़कर छठ महापर्व के रूप में प्रतिष्ठित हुई।

इस पर्व में सूर्यदेव के साथ छठी मैया की उपासना की जाती है। लोकमान्यताओं में छठी मैया को संतान की रक्षा, परिवार की सुख-समृद्धि और संतति के कल्याण की अधिष्ठात्री देवी माना गया है। कुछ धार्मिक परंपराओं में उन्हें माता पार्वती के स्वरूप से भी जोड़ा जाता है। छठ की विशिष्टता यह है कि इसमें सूर्य की अस्ताचलगामी और उदयमान–दोनों अवस्थाओं की समान श्रद्धा से पूजा की जाती है। लोकपरंपरा में संध्या के सूर्य को प्रत्यूषा और प्रातःकालीन सूर्य को ऊषा की शक्ति से जोड़कर देखा जाता है।

डूबते सूर्य को अर्घ्य : अतीत के प्रति कृतज्ञता, उगते सूर्य को प्रणाम : भविष्य के प्रति विश्वास

विश्व की अनेक धार्मिक परंपराओं में उगते सूर्य का स्वागत किया जाता है, लेकिन छठ की विशिष्टता यह है कि इसमें डूबते सूर्य को भी उतनी ही श्रद्धा और सम्मान के साथ अर्घ्य अर्पित किया जाता है। यह परंपरा अपने भीतर एक गहरा जीवन-दर्शन समेटे हुए है। अस्त होता सूर्य हमें सिखाता है कि जीवन में अवसान भी उतना ही स्वाभाविक और सम्माननीय है जितना आरंभ। यह बीते हुए समय, पूर्वजों के योगदान और जीवन की उन उपलब्धियों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है, जिनसे हमारा वर्तमान निर्मित हुआ है।

दूसरी ओर, उगते सूर्य को अर्घ्य देना नई आशाओं, नई संभावनाओं और उज्ज्वल भविष्य का अभिनंदन है। यह आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और जीवन की निरंतरता में अटूट विश्वास का संदेश देता है। इस दृष्टि से छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अतीत के सम्मान और भविष्य के स्वागत के बीच एक सुंदर सांस्कृतिक सेतु है।

चार दिनों की साधना : आत्मशुद्धि से लोककल्याण तक की यात्रा

छठ पर्व चार दिनों तक चलने वाली कठिन तपस्या, अनुशासन और आत्मसंयम की अनूठी परंपरा है। इसके प्रत्येक चरण का अपना आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व है।

पहला दिन : नहाय-खाय

छठ महापर्व का प्रारंभ नहाय-खाय से होता है। इस दिन व्रती पवित्र स्नान कर शारीरिक और मानसिक शुद्धता का संकल्प लेते हैं। घरों की साफ-सफाई की जाती है तथा सात्विक भोजन तैयार किया जाता है। लौकी की सब्जी, चना दाल और अरवा चावल जैसे पारंपरिक व्यंजन इस दिन की विशेष पहचान हैं। यह दिन हमें स्वच्छता, सादगी और संयमित जीवन का संदेश देता है। वस्तुतः यह कठिन साधना के लिए स्वयं को तैयार करने का पहला चरण है।

दूसरा दिन : खरना

खरना छठ की साधना का अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखते हैं और संध्या में पवित्रता एवं श्रद्धा के



साथ प्रसाद तैयार करते हैं। गुड़ की खीर, रोटी तथा अन्य पारंपरिक पकवान सूर्यदेव और छठी मैया को अर्पित किए जाते हैं। इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण करते हैं और परिवार तथा आसपास के लोगों में भी इसका वितरण होता है। खरना के उपरांत लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत आरंभ होता है। यह कठिन तपस्या मनुष्य की इच्छाशक्ति, आत्मानुशासन और अटूट आस्था का परिचायक है।

तीसरा दिन : संध्या अर्घ्य

छठ महापर्व का तीसरा दिन सामूहिक आस्था का सबसे भावपूर्ण दृश्य प्रस्तुत करता है। व्रती परिवार और श्रद्धालुओं के साथ नदी, तालाब, सरोवर अथवा अन्य स्वच्छ जलाशयों के किनारे पहुंचते हैं। पारंपरिक सूप और दउरा में फल, ठेकुआ, नारियल, गन्ना तथा अन्य प्रसाद सजाए जाते हैं। अस्ताचलगामी सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया जाता है।

जल में खड़े होकर सूर्य की अंतिम किरणों को नमन करतीं व्रती महिलाएं और पुरुष, लोकगीतों की मधुर ध्वनि तथा दीपों से आलोकित घाट भारतीय संस्कृति का अत्यंत मनोरम चित्र प्रस्तुत करते हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक श्रद्धा का नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता, पारिवारिक एकजुटता और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है।

चौथा दिन : उषा अर्घ्य और पारण

महापर्व के अंतिम दिन भोर होने से पहले ही श्रद्धालु घाटों पर पहुंचने लगते हैं। पूर्व दिशा में सूर्य की पहली लालिमा दिखाई देते ही वातावरण श्रद्धा, उल्लास और मंगलकामनाओं से भर उठता है। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती अपने कठिन निर्जला उपवास का समापन करते हैं। इसे पारण कहा जाता है।

इसके बाद प्रसाद वितरण की परंपरा शुरू होती है। छठ का प्रसिद्ध ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद परिवार, मित्रों, पड़ोसियों तथा समाज के सभी वर्गों के बीच बांटा जाता है। इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता। यही छठ की सबसे बड़ी सामाजिक विशेषता है–आस्था के प्रसाद में सबकी समान भागीदारी।

छठ की सबसे बड़ी शक्ति : सादगी, स्वच्छता और सामाजिक समरसता

छठ महापर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सहजता और लोकप्रधान स्वरूप है। इसमें भव्य मंदिरों, महंगे आयोजनों, विशेष धार्मिक आडंबरों अथवा पुरोहितों पर निर्भरता अनिवार्य नहीं है। श्रद्धा, पवित्रता, अनुशासन और सामूहिक सहयोग ही इस पर्व की वास्तविक पूंजी हैं। समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी सामर्थ्य और सुविधा के अनुसार इसमें भागीदारी निभाता है।

छठ के अवसर पर घाटों की सफाई, रास्तों की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल और सुरक्षा के इंतजाम के लिए लोग स्वेच्छा से आगे आते हैं। कहीं युवा टोली बनाकर श्रमदान करती है, तो कहीं स्थानीय संस्थाएं और सामाजिक संगठन व्यवस्था संभालते हैं। अमीर-गरीब, जाति-वर्ग और सामाजिक प्रतिष्ठा का अंतर इस पर्व की सामूहिक भावना के सामने गौण हो जाता है। यह भारतीय समाज की उस लोकशक्ति का परिचायक है, जो बिना किसी औपचारिक आदेश के सामूहिक जिम्मेदारी निभाना जानती है।

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण संदेश पर्यावरण संरक्षण भी है। सूर्य, जल, वायु और धरती के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने वाली यह परंपरा हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व का बोध कराती है। आज जब नदियां प्रदूषण, जलसंकट और पर्यावरणीय असंतुलन की चुनौती से जूझ रही हैं, तब छठ की मूल भावना हमें जलस्रोतों की स्वच्छता और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करती है। छठ की सच्ची पूजा तभी सार्थक होगी, जब हम पूजा के बाद भी नदियों, तालाबों और अपने आसपास के पर्यावरण को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभाएं।

छठ : बिहार-झारखंड की पहचान से विश्वव्यापी सांस्कृतिक विरासत तक

आज छठ महापर्व बिहार और झारखंड की भौगोलिक सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और देश के अन्य महानगरों से लेकर मॉरीशस, नेपाल, सूरीनाम, फिजी, अमेरिका तथा यूरोप के विभिन्न देशों तक प्रवासी भारतीय इसे पूरी श्रद्धा से मनाते हैं। जहां भी बिहार और झारखंड के लोग पहुंचे हैं, वे अपने साथ छठ की लोकसंस्कृति, गीत-संगीत और परंपराओं को भी लेकर गए हैं।

यह पर्व हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव का माध्यम है। छठ के लोकगीतों में मां की ममता, संतान के प्रति चिंता, परिवार की मंगलकामना और प्रकृति के प्रति अनुराग का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। इन गीतों की मिठास पीढ़ियों को जोड़ती है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखती है।

आज आवश्यकता है कि छठ की परंपरा को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसके मूल संदेश–स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहयोग, नारी-सम्मान, आत्मसंयम और समानता–को अपने दैनिक जीवन में भी उतारा जाए।

सूर्याष्टकम् में भगवान सूर्य की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है–

ह्रबृंहितं तेजःपुञ्जं च वायुमाकाशमेव च।
प्रभुं च सर्वलोकानां तं सूर्यं प्रणमाम्यहम्॥ह्र

अर्थात् जो संपूर्ण ब्रह्मांड में प्रकाश और ऊर्जा के पुंज के रूप में विद्यमान हैं, जो समस्त लोकों के स्वामी हैं, उन भगवान सूर्य को मैं नमन करता हूं। छठ महापर्व हमें यही स्मरण कराता है कि प्रकृति के प्रति सम्मान, जीवन के प्रति कृतज्ञता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व ही हमारी सभ्यता की वास्तविक पहचान हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, प्रकाश की संभावना कभी समाप्त नहीं होती। अस्त होता सूर्य भी अगले प्रभात के उदय का विश्वास देकर जाता है।

लोकआस्था के इस महान पर्व पर सभी व्रतियों के त्याग, तपस्या और अटूट श्रद्धा को मेरा सादर नमन। भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना है कि समस्त देशवासियों के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य, समृद्धि और सद्भाव का प्रकाश बना रहे।